घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 218- मंगलवार 09- जून 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

इंडिया गठबंधन की बैठक में 25 दलों ने लिया हिस्सा,सर्वदलीय बैठक समेत 5 मुद्दों पर बनी सहमति...

सीबीएसई-नीट गड़बड़ी पर शिक्षा मंत्री इस्तीफा दे,एसआईआर में करोड़ों वोटर के नाम काटे,इसके खिलाफ इंडिया ब्लॉक सीजेआई को लेटर लिखेगा : खड़गे

नई दिल्ली,08 जून 2026। इंडिया ब्लॉक की 2 साल बाद हुई 7वीं बैठक में सोमवार को 25 दलों के नेता शामिल हुए। दिल्ली में हुई इस बैठक में उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन ऑनलाइन जुड़े,जबकि सोनिया गांधी,राहुल गांधी,मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, सुप्रिया सुले,कपिल सिब्बल समेत कई शामिल हुए। मीटिंग के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- 2 घंटे से ज्यादा चली बैठक में 5 मुद्दों पर सहमति बनी है। नीट में देश के युवाओं के साथ धोखा हुआ है। नीट और सीबीएसई की गड़बड़ी के लिए शिक्षा मंत्री जिम्मेदार हैं,वह तुरंत इस्तीफा दें। उन्होंने कहा कि गठबंधन हर 2 महीने में महंगाई,बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर बैठक करेगा। एसआईआर और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर इंडिया ब्लॉक सीजेआई को लेटर भी लिखेगा। 8 अगस्त को अगली बैठक हैदराबाद में होगी। मानसून सत्र के दौरान भी विपक्ष बैठक करेंगे। दिल्ली की अकबर रोड पर सोमवार सुबह कुछ पोस्टर लगाए गए थे। हालांकि पोस्टर किसने लगाए इसका पता नहीं चल सका है। पोस्टर में राहुल गांधी की तस्वीर थी और कांग्रेस के खिलाफ बयानबाजी थी। दोपहर में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और पोस्टर को फाड़ा। एक पोस्टर में एनसीपी-एससीपी चीफ शरद पवार की तस्वीर लगी थी, लिखा था- राहुल गांधी में कंसिस्टेंसी (स्थिरता) की कमी है।

3 साल में इंडिया ब्लॉक से 3 बड़ी पार्टियां अलग हुईं : खड़गे ने कहा कि आज की बैठक में 25 पार्टियां शामिल हुई हैं। वहीं, इंडिया ब्लॉक से बीते 3 साल में 3 पार्टियां अलग हो चुकी हैं। इनमें जेडीयू 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान,आप दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान और डीएमके हाल में हुए तमिलनाडु चुनाव के बाद ब्लॉक से दूर हुई।

कांग्रेस नेता बोले...हमारा मकसद एक है...

इंडिया ब्लॉक की बैठक पर कांग्रेस नेता एम. वीरप्पा मोइली ने कहा...23 से ज्यादा पार्टियां एक साथ आई हैं। बाकी पार्टियों को कुछ मुद्दे हो सकते हैं,लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट नहीं हैं। क्योंकि हमारा मकसद एक ही है।

शरद बोले...सभी दलों को साथ रखना जरूरी

एनसीपी-एससीपी चीफ शरद पवार ने कहा...एक तरफ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार है, वहीं दूसरी तरफ वे दल हैं जो उसके नेतृत्व को स्वीकार नहीं करते। ऐसे सभी दल साथ आए हैं। गठबंधन के भीतर मौजूद मतभेदों को दूर करने के लिए वरिष्ठ और प्रतिष्ठित लोगों से बातचीत की जाएगी तथा कोई न कोई समाधान निकाला जाएगा। पवार ने कहा कि मुझे भरोसा है कि इसका रास्ता निकलेगा। आज की बैठक में ऐसा फॉर्मूला पेश किया जाएगा, जिससे कोई भी पक्ष अपनी बात पर ज्यादा अड़ियल रुख न अपनाए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से सुप्रिया सुले बैठक में शामिल हुई हैं। बैठक के बाद दिल्ली में आगे चर्चा कर समाधान तलाशा जाएगा। अगले 2-3 सालों में कोई बड़ा चुनाव नहीं है, इसलिए यह समय सभी सहयोगी दलों को साथ रखने और गठबंधन को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस विधायक बोले...2029 में इंडिया ब्लॉक की सरकार बनेगी...

बेंगलुरु में कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद ने कहा... इंडिया ब्लॉक का उद्देश्य भाजपा की जनविरोधी नीतियों को जनता के सामने उजागर करना है। 2029 में ब्लॉक भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार को हराकर अपनी सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा अपने सहयोगियों की अनदेखी करती है।

पवार बोले...सभी सीनियर से चर्चा करके समाधान निकालेंगे...

इंडिया ब्लॉक की पिछली बैठक एक जून 2024 को दिल्ली में खड़गे के घर पर हुई थी। यानी, पूरे 2 साल के बाद गठबंधन के नेता एकसाथ जुटे। इस बैठक पर एनसीपी-एससीपी चीफ शरद पवार ने कहा कि मौजूदा समय में ब्लॉक के सभी दलों को एकजुट रखना सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक तरफ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार है, वहीं दूसरी तरफ वे दल हैं जो उसके नेतृत्व को स्वीकार नहीं करते। ऐसे सभी दल साथ आए हैं। गठबंधन के भीतर मौजूद मतभेदों को दूर करने के सभी सीनियर लोगों से बातचीत की जाएगी और कोई न कोई समाधान निकाला जाएगा। पवार ने कहा कि मुझे भरोसा है कि इसका रास्ता निकलेगा। अगले 2-3 सालों में कोई बड़ा चुनाव नहीं है, इसलिए यह समय सभी सहयोगी दलों को साथ रखने और गठबंधन को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है।

खड़गे बोले...उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन बैठक में वर्चुअली जुड़े

इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन वर्चुअली बैठक में शामिल हुए और अपनी राय रखी।

खड़गे बोले...संविधान पर हमले जारी हैं

बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- संविधान पर हमले जारी हैं और जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। आर्थिक माहौल कमजोर है और निवेश अपेक्षित गति से नहीं आ रहा, जिससे रोजगार पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली में मिसमैनेजमेंट हुआ, जिससे लाखों युवाओं की उम्मीदों पर असर पड़ा है। 17 अप्रैल 2026 के दिन सभी विपक्षी दलों ने लोकसभा में एकजुट होकर परिसीमन से जुड़े विधेयकों को हराने में भूमिका निभाई थी। इसी एकता को आगे भी मजबूत करने की जरूरत है।

INDIA गठबंधन की बैठक में तय हुए 5 बिंदु

1. SIR और मतदाता सूची में हेरफेर तथा चुनाव की निष्पक्षता के संबंध में मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजा जाएगा
2. NEET और CBSE के छात्रों के साथ विश्वासघात हुआ है। INDIA गठबंधन की सर्वसम्मति से मांग है कि शिक्षा मंत्री तुरंत इस्तीफा दें
3. आर्थिक संकट, बढ़ती बेरोज़गारी, महंगाई, किसानों तथा जनसरोकारों से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए मोदी सरकार सर्वदलीय बैठक बुलाए
4. INDIA गठबंधन के सभी दल हर दो महीने में बैठक करेंगे। अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी
5. मानसून सत्र के दौरान संसदीय समन्वय जारी रहेगा और हर सुबह नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी

यूपी सरकार के मंत्री संजय निषाद बोले...इंडिया ब्लॉक में एकता नहीं

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद ने कहा- इंडिया ब्लॉक के नेता अवसरवादी हैं। ये सभी दल कांग्रेस की नीतियों और सिद्धांतों के विरोध में बने थे। उन्होंने कहा कि गठबंधन में शामिल दलों के बीच वास्तविक एकता नहीं है। अंदर ही अंदर ये एक-दूसरे के खिलाफ हैं। गठबंधन कागज पर हो सकता है,लेकिन एकता कहां है? ये सभी एक-दूसरे के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, इसलिए चुनाव आते ही अलग-अलग रास्ते चुन लेते हैं। निषाद ने दावा किया कि विपक्षी दलों के बीच वैचारिक और राजनीतिक मतभेद इतने गहरे हैं कि उनके लिए लंबे समय तक साथ बने रहना मुश्किल है।

सीबीएसई ने रिजल्ट पोर्टल पर उठे सवालों को किया खारिज,तकनीकी खराबी नहीं

नई दिल्ली,08 जून 2026। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पोस्ट-रिजल्ट सेवाओं के पोर्टल के संचालन को लेकर सामने आई कुछ मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों पर सोमवार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन विंडो 2 से 7 जून तक पूरी तरह सुचारु रूप से संचालित हुई। इस दौरान 1.6 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने 3.8 लाख से ज्यादा उत्तर पुस्तिकाओं से संबंधित अनुरोध दर्ज किए। बोर्ड के अनुसार इस अवधि के दौरान सरकारी तकनीकी एजेंसियों और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की विशेषज्ञ टीमों की निगरानी में पोर्टल का संचालन किया गया। पोर्टल को साइबर हमलों और अन्य ऑनलाइन खतरों से सुरक्षित रखने के लिए साइबर सुरक्षा टीमों ने पूरे समय निरंतर निगरानी की। इसके अलावा छात्रों की सहायता के लिए सीबीएसई की हेल्पडेस्क और शिकायत निवारण प्रणाली भी सक्रिय रही। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि रिजल्ट देखते समय 'रोल नंबर नॉट फाउंड' संदेश का कारण तकनीकी खराबी नहीं था। यह संदेश उन अभ्यर्थियों को प्रदर्शित हुआ, जिन्होंने पोस्ट-रिजल्ट प्रक्रिया के पहले चरण, यानी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी प्राप्त करने के लिए आवेदन नहीं किया था। सीबीएसई के अनुसार केवल वही छात्र सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन की अगली प्रक्रिया के लिए पात्र थे, जिन्होंने पहले चरण में उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी/स्कैन कॉपी के लिए आवेदन किया था। सीबीएसई ने कहा कि बोर्ड पारदर्शी, छात्र-केंद्रित और निर्बाध पोस्ट-रिजल्ट प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा छात्रों की सभी वास्तविक शिकायतों और समस्याओं का समाधान हेल्पलाइन, शिकायत निवारण तंत्र और अन्य संचार माध्यमों के जरिए करता रहेगा।

ममता बनर्जी को दिल्ली में लगा तगड़ा झटका सबसे सीनियर सांसद सुखेंदु शेखर राय ने राज्यसभा और टीएमसी से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली,08 जून 2026। तृणमूल कांग्रेस को सोमवार के दिन दिल्ली और पश्चिम बंगाल दोनों ही मोर्चों पर बहुत बड़ा झटका लगा है। एक तरफ पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी दिल्ली में विपक्षी गठबंधन की एक अहम बैठक में हिस्सा ले रही थीं। ठीक उसी समय उनकी पार्टी के सबसे वरिष्ठ राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने संसद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। सुखेंदु शेखर राय इस वक्त देश की राजधानी दिल्ली में ही मौजूद हैं। उन्होंने सोमवार को सीधे देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति से मुलाकात की। उन्होंने सभापति को संसद के उच्च सदन की सदस्यता से अपना त्यागपत्र सौंप दिया। इसके तुरंत बाद उन्होंने ईमेल के जरिए पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को टीएमसी से भी अपने इस्तीफे की कॉपी भेज दी। सुखेंदु शेखर राय ने राज्यसभा और पार्टी से दिए अपने इस्तीफे में बंगाल चुनाव के नतीजों का खुलकर जिक्र किया है। उन्होंने अपनी चिट्ठी में साफ लिखा कि हाल ही में हुए चुनावों में बंगाल के वोटर्स ने पिछले 15 सालों से सत्ता में रही टीएमसी सरकार पर पूरी तरह अविश्वास जताया है। मतदाताओं ने पार्टी के भीतर फैले भारी भ्रष्टाचार,महिलाओं पर हुए दमन और शिक्षा, स्वास्थ्य,उद्योग,रोजगार समेत कानून व्यवस्था की बदहाली को पूरी तरह नकार दिया। इसी का नतीजा है कि जनता ने बंगाल के इतिहास में पहली बार भाजपा को भारी बहुमत देकर जिताया है। उन्होंने आगे लिखा कि नई सरकार ने अपने घोषणापत्र के हिसाब से बंगाल के विकास और पुनर्निर्माण का काम शुरू कर दिया है। मैं जनता के इस ऐतिहासिक फैसले का सम्मान करते हुए इस्तीफा दे रहा हूं। सुखेंदु शेखर राय के इस्तीफे के समय ने तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को दिल्ली में पूरी तरह असहज कर दिया है। सोमवार को ही दिल्ली में विपक्षी इंडिया ब्लॉक की एक बड़ी बैठक चल रही थी। इस बैठक में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष को एकजुट करने का मोर्चा संभालने पहुंचे थे।

विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में हादसा..8 मजदूरों की मौत

1600डिग्री सेल्सियस पर पिघला गर्म लोहा क्रेन से ले जा रहे थे,बैलेंस बिगड़ने से उन पर ही गिरा

विशाखापट्टनम,08 जून 2026। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित स्टील प्लांट में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में करीब 1600डिग्री सेल्सियस तापमान वाला पिघला हुआ लोहा (मोल्टन आयरन) मजदूरों पर गिर गया। हादसे में 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, प्लांट में क्रेन की मदद से एक बड़े बकेट में पिघला हुआ लोहा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान बकेट का संतुलन बिगड़ गया और उसमें भरा गर्म लोहा नीचे काम कर रहे कर्मचारियों पर गिर गया। हादसा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के स्टील प्लांट में हुआ।

हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। राहत और बचाव दल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि कहीं दुर्घटना की वजह तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों में किसी तरह की चूक तो नहीं हुई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर दुख जताया। वहीं गृह मंत्री वंगालापुडी अनिता ने विशाखापट्टनम के कलेक्टर और सिटी पुलिस कमिश्नर से फोन पर बात कर हादसे की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को घायलों को बेहतर इलाज दिलाने और रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने के निर्देश दिए।

एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने गौतम अदाणी,संपत्ति 89 अरब डॉलर के पार : फोर्ब्स

नई दिल्ली,08 जून 2026। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी की संपत्ति बढ़कर 89.2 अरब डॉलर हो गई,जो उन्हें एशिया में सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है। यह जानकारी फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलेनियर्स लिस्ट में दी गई थी। अदाणी के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 88 अरब डॉलर के साथ दूसरे और सॉफ्टबैंक के मासायोशी सोन 87 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर है। सोन गुरुवार को जापानी निवेश फर्म के शेयरों में गिरावट से पहले एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे। गौतम अदाणी की संपत्ति का मुख्य स्त्रोत अदाणी समूह की कंपनियों में हिस्सेदारी है। अदाणी समूह की छह कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य लगभग शुक्रवार तक 191 अरब डॉलर था। इसमें अदाणी पावर 47.2 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ शीर्ष पर था। इसके बाद अदाणी पोर्ट्स का मूल्यांकन 44.2 अरब डॉलर, अदाणी एंटरप्राइजेज का वैल्यूएशन 44 अरब डॉलर, अदाणी ग्रीन एनर्जी का मार्केट 26.4 अरब डॉलर,अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का वैल्यूएशन 19.9 अरब डॉलर और अदाणी टोटल गैस का मार्केट कैप 8.8 अरब डॉलर था।

यमुना की स्वच्छता के लिए सभी एजेंसियां एकीकृत कार्ययोजना के तहत काम करें : अमित शाह

नई दिल्ली,08 जून 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली में यमुना पुनर्जीवीकरण (रिवाइवल) परियोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि स्वच्छ और निर्मल यमुना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का संकल्प है। इसे शीघ्र पूरा करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों को मिलकर कार्य करना होगा। बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों के साथ-साथ सभी संबंधित मंत्रालय यमुना की सफाई के लिए अलग-अलग नहीं बल्कि टीम भावना के साथ एकीकृत कार्ययोजना के तहत काम करें। हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश तीनों राज्य मिलकर यमुना नदी में मानक ईको-फ्लो सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केवल संतोषजनक प्रयास नहीं, बल्कि ठोस और सटीक परिणाम दिखाई देने चाहिए। अमित शाह ने निर्देश दिया कि यमुना नदी की गाद निकासी (डी-सिल्टिंग) का कार्य तेजी से पूरा किया जाए तथा निकाली गई गाद का उपयोग विभिन्न विनिर्माण और विकास परियोजनाओं में किया जाए, ताकि बरसात के दौरान यह दोबारा नदी में न पहुंचे। उन्होंने कहा कि दिल्ली की डेयरियों से निकलने वाले अपशिष्ट को यमुना में जाने से रोकने के लिए नगर निगम (एमसीडी) और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसके तहत डेयरियों और गौशालाओं से निकलने वाले गोबर को सीधे बायोगैस और जैविक खाद संयंत्रों तक पहुंचाया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि एनडीडीबी मॉडल के तहत यमुना किनारे जमा होने वाले कचरे का भी वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जाएगा। उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), औद्योगिक अपशिष्ट और सभी नालों से होने वाले डिस्चार्ज की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप...इमारतें गिरीं 32 की मौत,4.5 फीट से ज्यादा ऊंची लहरें उठीं

मनीला,08 जून 2026। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इमारतों में ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक अब तक 32 लोगों की मौत हुई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में था। यह सारंगानी प्रांत के मासीम कस्बे से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और 33 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों का कहना है कि यह इस साल फिलीपींस में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है। भूकंप के बाद सुनामी भी आई। सबसे ऊंची लहर की ऊंचाई 1.4 मीटर (करीब 4.6 फीट) रही। एहतियात के तौर पर इंडोनेशिया और मलेशिया ने भी सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे कुछ घंटों बाद वापस ले लिया गया। फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान (फिवोल्क्स) ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे तक 138 आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। इन झटकों की तीव्रता 1.3 से 6.7 के बीच रही। 7 लाख से ज्यादा आबादी वाले बंदरगाह शहर जनरल सैंटोस में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। यहां कई इमारतें में दरारें आ गईं, कुछ छोटी इमारतें आंशिक रूप से ढह गईं और एक पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया।

टीएमसी में बगावत

20 सांसदों ने एनडीए में जाने के लिए लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखा

नई दिल्ली,08 जून 2026। दिल्ली में विपक्षी इंडिया गठबंधन की बैठक के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में बड़ी बगावत हो गई है। पार्टी के कम से कम 20 सांसदों ने सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने की इच्छा जताई है। रिपोर्ट के मुताबिक, टीएमसी के इस गुट की नेता काकोली घोष दस्तीदार को बनाया जाएगा, जिन्होंने हाल में पार्टी के सभी प्रमुख पदों से इस्तीफा दिया है।

देश छोड़कर भागने से पहले टीएमसी नेता जहांगीर खान नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

कोलकाता,08 जून 2026। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक और फलता विधानसभा सीट से हालिया चुनाव में उम्मीदवार रहे जहांगीर खान को नेपाल की अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, वह कथित तौर पर देश छोड़कर नेपाल भागने की कोशिश में था। हालांकि, गिरफ्तारी किस स्थान से और कब की गई, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। माना जा रहा है कि एसटीएफ जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले से जुड़े तथ्यों का खुलासा कर सकती है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हालिया विधानसभा चुनाव के बाद से जहांगीर खान फरार चल रहा था। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, जबरन वसूली, दंगा भड़काने सहित कई गंभीर आरोपों में कुल सात मामले दर्ज हैं। इसके अलावा मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले की जांच भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जा रही है। एसटीएफ ने उसकी तलाश के लिए तकनीकी निगरानी (टेक्निकल सर्विलांस) का सहारा लिया।

संपादकीय

कई फायदों वाली प्लास्टिक मुद्रा

यूपीआई और डिजिटल पेमेंट की क्रांति ने निःसंदेह भारत के वित्तीय परिदृश्य को नया रूप दिया है। आज देश भर में हर महीने लगभग 20 अरब से अधिक लोग यूपीआई का प्रयोग करते हैं,वहीं दूसरी ओर ऐसा भारत भी है, जहां किसान,मजदूर,स्थानीय बाजार,छोटे दुकानदार से लेकर ग्रामीण समुदाय आदि लेनदेन नकद में ही करते हैं। इससे नकद मुद्रा की मांग कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। आरबीआई के अनुसार 11.5 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोत्तरी के साथ मुद्रा की मांग 42.86 ट्रिलियन (लाख करोड़) रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। वर्ष 2024-25 में नोटों की छपाई पर 6372.8 करोड़ रुपये खर्च हुए। वर्ष 2024-25 में 23.8 अरब खराब नोट नष्ट किए गए,जो पिछले साल के 21.24 अरब नोटों के मुकाबले 12.3 प्रतिशत ज्यादा थे। हर साल हजारों करोड़ रुपये नोट छापने और नष्ट करने में खर्च होते रहेंगे,जब तक की कोई ठोस विकल्प नहीं अपनाया जाता। प्लास्टिक नोट इसका ठोस विकल्प देते हैं।

प्लास्टिक नोट पालीप्रोपाइलीन नामक एक विशेष सिंथेटिक प्लास्टिक से बनते हैं। ये साधारण नोट जैसे ही लगते हैं,लेकिन इनकी उम्र पांच से सात गुना अधिक होती है। प्लास्टिक नोट पानी,गंदगी और फटने के प्रति काफी ज्यादा प्रतिरोधी होते हैं। लंबे समय तक अपनी बनावट बनाए रखते हैं। नमी वाले तटीय इलाकों से लेकर धूल भरे इलाकों तक में ये टिकाऊ होते हैं। इसका एक और बड़ा फायदा सुरक्षा के मामले में है। आज के समय में नकली करेंसी दुनिया भर के सेंट्रल बैंकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। प्लास्टिक के नोट सुरक्षा बढ़ाने के सबसे असरदार तरीकों में से एक बनकर उभरे हैं,क्योंकि इन नोटों में माइक्रो-आप्टिक विशेषताएं,होलोग्राफिक तत्व और खास तरह की स्याही इन्हें विशिष्टता प्रदान करती हैं। इन विशेषताओं की नकल करना न सिर्फ मुश्किल होता है,बल्कि आम लोगों के लिए इन्हें पहचानना भी आसान होता है। प्लास्टिक के नोटों की चिकनी सतह पर सूक्ष्मजीव उतनी आसानी से नहीं टिक पाते हैं। आस्ट्रेलिया,ब्रिटेन,कनाडा,न्यूजीलैंड,सिंगापुर,मलेशिया,वियतनाम,रोमानिया सहित लगभग 60 देशों में प्लास्टिक मुद्रा चलन में है। भारत प्लास्टिक मुद्रा पर 2009 से विचार कर रहा है। 2012 में कोच्चि,जयपुर,भुवनेश्वर और शिमला में दस रुपये के प्लास्टिक नोट के परीक्षण की बात हुई थी,परंतु तब योजना शुरू होने से पहले ही अधर में लटक गई थी,लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं।

आज का भारत पूरी तरह से प्लास्टिक नोटों के लिए तैयार है, परंतु आरबीआई को क्रमबद्ध और दृढ़ता से परिपूर्ण कदम उठाने होंगे। सबसे पहले,घरेलू छपाई क्षमता विकसित करनी होगी। भारतीय मुद्रणालयों-नासिक,देवास,मैसुरु और सालबोनी को प्लास्टिक कागज पर मुद्रण के लिए तकनीकी रूप से तैयार करना होगा। चाहे किसी भी देश से तकनीकी सहयोग लिया जाए,परंतु छपाई में स्वनिर्भरता अनिवार्य है। दूसरे कदम के रूप में चरणबद्ध तरीके से दस और बीस रुपये के नोटों से ही पायलट परीक्षण की शुरुआत करनी चाहिए,क्योंकि ये सर्वाधिक प्रचलित और सबसे जल्दी खराब होने वाले नोट हैं। अलग-अलग जलवायु वाले शहरों में इनका परीक्षण हो, जहां नमी भी हो, मैदानी गर्मी भी और पहाड़ी ठंड भी। तीसरा और व्यावहारिक कदम होगा एटीएम अवसंरचना के आधुनिकीकरण एवं मशीनों को अपग्रेड करने की तैयारी। बैंकों और एटीएम निर्माताओं के साथ मिलकर एक टाइमलाइन बनाई जाए। चौथी जरूरत है जन-जागरूकता की।प्लास्टिक के नोट कैसे दिखते हैं, कैसे पहचाने जाते हैं, इनकी असली-नकली की जांच कैसे होती है, यह जानकारी आम जनता तक आसान भाषा में,और जरूरी हो तो क्षेत्रीय भाषाओं में पहुंचाई जाए। पांचवें कदम के रूप में प्लास्टिक के पुराने नोटों के निपटान की पर्यावरण-सम्मत योजना बनाई जानी चाहिए, जिससे प्लास्टिक नोटों को पुनर्चक्रित किया जा सके।

कुछ लोगों का तर्क हैं कि जब यूपीआई इतना व्यापक हो चुका है तो प्लास्टिक नोटों पर इतना ध्यान क्यों दिया जाए। यह तर्क सुनने में अच्छा लगता है, लेकिन जमीनी सच्चाई से कटा हुआ है। भारत के सात लाख से अधिक गांवों में से एक बड़ी संख्या में अभी भी निर्बाध इंटरनेट उपलब्ध नहीं है।

लोकतंत्र का व्यंग्य या लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर संकट?

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल मतदान की व्यवस्था नहीं, बल्किसंवाद,सहमति,असहमति, संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक उत्तरदायित्वों का एक सशक्त तंत्र है। लोकतंत्र की शक्ति विरोध में निहित है, लेकिन उसकी गरिमा विरोध की शैली, उद्देश्य और मर्यादा से निर्धारित होती है। हाल के दिनों में चर्चित हुई तथाकथित 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) इसी संदर्भ में गंभीर विमर्श की मांग करती है। यह आंदोलन प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध के नाम पर उभरा। प्रारम्भ में यह सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में सामने आया और बाद में दिल्ली के जंतर-मंतर तक पहुंच गया। इसके समर्थकों ने इसे युवाओं के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताया, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह वास्तव में शिक्षा सुधार का आंदोलन है या लोकतांत्रिक असंतोष को व्यंग्य, उपहास और राजनीतिक ध्रुवीकरण की दिशा में मोड़ने वाला एक नया प्रयोग? भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार देता है। किंतु कोई भी अधिकार निरंकुश नहीं होता। लोकतंत्र में विरोध का उद्देश्य समाधान की खोज होना चाहिए,न कि अराजकता का विस्तार। यदि विरोध का स्वर केवल उपहास,आक्रोश और टकराव तक सीमित रह जाए,तो वह लोकतंत्र को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने लगता है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का नाम ही एक नकारात्मक और व्यंग्यात्मक मानसिकता का परिचायक है। किसी राजनीतिक दल की नकल करते हुए स्वयं को कॉकरोच के प्रतीक से जोड़ना लोकतांत्रिक विमर्श को गंभीरता से अधिक तमाशे में बदलने का प्रयास प्रतीत होता है। लोकतंत्र में व्यंग्य का स्थान है, लेकिन व्यंग्य यदि विचार का स्थान ले ले,तो वह जनमत को भ्रमित भी कर सकता है।

किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसकी मांगों और कार्यप्रणाली से किया जाता है। सीजेपी की प्रमुख मांगें हैं- परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की रोकथाम,शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना। इनमें से अधिकांश मांगें ऐसी हैं जिन पर देश का हर जिम्मेदार नागरिक सहमत हो सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन मांगों को मनवाने का तरीका भी उतना ही जिम्मेदार है? क्या कॉकरोच के मुखौटे पहनना,राजनीतिक व्यंग्य को आंदोलन का आधार बनाना और सोशल मीडिया पर उत्तेजक अभियानों को बढ़ावा देना शिक्षा सुधार का व्यावहारिक मार्ग है? क्या इससे सरकार, विशेषज्ञों और समाज के बीच सार्थक संवाद स्थापित होगा? इतिहास बताता है कि स्थायी परिवर्तन नारेबाजी से नहीं, बल्कि वैचारिक स्पष्टता, संगठनात्मक अनुशासन और रचनात्मक दबाव से आते हैं।

भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। लेकिन यही शक्ति यदि निराशा,बेरोजगारी और असंतोष से घिर जाए तो विभिन्न राजनीतिक शक्तियों के लिए उपयोग का साधन भी बन सकती है। आज देश का युवा प्रतियोगी परीक्षाओं,रोजगार और भविष्य को लेकर चिंतित है। यह चिंता वास्तविक है। लेकिन हर वास्तविक चिंता के साथ एक खतरा भी जुड़ा होता है-उसका राजनीतिक दोहन। जब किसी आंदोलन के पीछे विभिन्न राजनीतिक समूहों, सत्ता-विरोधी संगठनों और वैचारिक एजेंडों की उपस्थिति दिखाई देने लगे, तब यह आशंका स्वाभाविक हो जाती है कि कहीं युवाओं की पीड़ा को राजनीतिक हथियार तो नहीं बनाया जा रहा। यदि छात्र आंदोलन शिक्षा सुधार की जगह सरकार-विरोधी अभियान में बदल जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

स्वयं छात्रों का होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि वे किसी राजनीतिक प्रयोगशाला के उपकरण नहीं हैं। उनकी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण के लिए है, किसी छिपे हुए राजनीतिक एजेंडे के लिए नहीं। सीजेपी के समर्थकों द्वारा कभी-कभी नेपाल,बांग्लादेश अथवा अन्य देशों में हुए युवा आंदोलनों का उल्लेख किया जाता है। ऐसी तुलना न केवल जल्दबाजी है बल्कि भ्रामक भी हो सकती है। भारत की लोकतांत्रिक संरचना,संस्थागत शक्ति,न्यायिक व्यवस्था,मीडिया की स्वतंत्रता और संवैधानिक ढांचा पड़ोसी देशों से भिन्न है। जिन परिस्थितियों में अन्य देशों में जनआंदोलन उभरे, वे परिस्थितियां भारत में मौजूद नहीं हैं। भारत में चुनावी परिवर्तन की सशक्त व्यवस्था है। यहां सरकारें जनमत से बनती और बदलती हैं। इसलिए भारत के युवाओं को विदेशी या पड़ोसी देशों के आंदोलनों की भावनात्मक तुलना के बजाय भारतीय लोकतंत्र की विशेषताओं को समझना चाहिए। हर देश की राजनीतिक परिस्थितियां अलग होती हैं। इसलिए विदेशी उदाहरणों के आधार पर भारत में असंतोष को भे काना न तो बौद्धिक रूप से उचित है और न ही राष्ट्रीय हित में।

आज सोशल मीडिया किसी भी विचार को कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन यही उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोकप्रियता और वैधता एक जैसी चीजें नहीं हैं। कई बार कोई विचार ट्रेंड तो बन जाता है, लेकिन उसके पास न स्पष्ट दृष्टि होती है, न कोई रचनात्मक कार्यक्रम और न कोई उत्तरदायित्व। सोशल मीडिया पर वायरल होना लोकतांत्रिक स्वीकृति का प्रमाण नहीं है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का तेजी से लोकप्रिय होना इस बात का संकेत अवश्य है कि युवाओं में असंतोष है,लेकिन यह इस बात का प्रमाण नहीं कि आंदोलन का मार्ग सही है। लोकतंत्र में ट्रेंडिंग हैशटैग से अधिक महत्व तथ्यों,नीति और संस्थागत संवाद का होता है। यदि राजनीति केवल मीम, व्यंग्य और डिजिटल आक्रोश तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र धीरे-धीरे विचारशील नागरिकता से हटकर भीड़तंत्र में बदल सकता है।

भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता,संस्थागत विश्वास और राष्ट्रीय एकता का भी है। यदि युवा शक्ति का बड़ा हिस्सा निरंतर अविश्वास,नकारात्मकता और टकराव की राजनीति की ओर आकर्षित होता है, तो यह लक्ष्य प्रभावित हो सकता है। विकास के लिए केवल आलोचना नहीं, बल्कि सहभागिता भी आवश्यक है। युवाओं को सरकार से प्रश्न पूछने चाहिए,लेकिन साथ ही समाधान भी प्रस्तुत करने चाहिए। उन्हें जवाबदेही मांगनी चाहिए, लेकिन संस्थाओं के प्रति सम्मान भी बनाए रखना चाहिए। लोकतंत्र की सफलता विरोध और सहयोग के संतुलन में निहित है। इस पूरे प्रकरण का एक महत्वपूर्ण पक्ष उन राजनीतिक दलों और नेताओं की भूमिका है जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ऐसे आंदोलनों को समर्थन देते दिखाई देते हैं। यदि कोई राजनीतिक दल वास्तव में शिक्षा सुधार चाहता है तो उसे संसद,विधानसभाओं और नीति मंचों पर ठोस प्रस्ताव रखने चाहिए। लेकिन यदि छात्र असंतोष को केवल सरकार को घेरने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, तो यह लोकतंत्र और युवाओं दोनों के साथ अन्याय है। राजनीतिक दलों को स्पष्ट करना चाहिए कि वे शिक्षा सुधार के लिए क्या ठोस कार्यक्रम रखते हैं। केवल विरोध का समर्थन करना पर्याप्त नहीं है। लोकतंत्र में जिम्मेदार विपक्ष का दायित्व विकल्प प्रस्तुत करना भी होता है। परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता,पेपर लीक पर कठोर दंड, रोजगार सृजन,शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार-ये सभी वास्तविक और महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। लेकिन इनका समाधान व्यंग्यात्मक राजनीति या प्रतीकात्मक आक्रोश में नहीं है। समाधान सरकार,न्याय पालिका,शिक्षाविदों,विशेषज्ञों,छात्र संगठनों और समाज के बीच निरंतर संवाद में है। आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के असंतोष को रचनात्मक ऊर्जा में बदला जाए। भारत का लोकतंत्र विरोध को स्वीकार करता है, लेकिन वह विरोध तभी सार्थक होता है जब वह व्यवस्था को तोड़ने के बजाय सुधारने की दिशा में आगे बढ़े। 'कॉकरोच जनता पार्टी' जैसी प्रवृत्तियां पहली दृष्टि में लोकतांत्रिक व्यंग्य और युवा असंतोष की अभिव्यक्ति लग सकती हैं,लेकिन इनके दूरगामी प्रभावों की गंभीर समीक्षा आवश्यक है। यदि राजनीति उपहास, प्रतीकात्मक आक्रोश और डिजिटल उत्तेजना तक सीमित हो जाएगी, तो लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता प्रभावित होगी। भारत को आज ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो प्रश्न भी पूछें और समाधान भी खोजें। जो विरोध भी करें और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी भी निभाएं। लोकतंत्र की शक्ति संघर्ष में नहीं-संवाद में है, विभाजन में नहीं-समन्वय में है और तात्कालिक उत्तेजना में नहीं-दीर्घकालिक राष्ट्रहित में है। इसलिए समय की मांग है कि युवा,राजनीतिक दल और समाज सभी मिलकर यह विचार करें कि क्या 'कॉकरोच राजनीति' वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करेगी, या फिर वह भारत की लोकतांत्रिक संस्कृति,राजनीतिक मर्यादाओं और विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प के सामने एक नई चुनौती बनकर उभरेगी। यही प्रश्न आज सबसे अधिक प्रासंगिक है।

जैव-विविधता संरक्षण में भारत की बड़ी उपलब्धि

2.76 लाख से अधिक जैव-विविधता समितियां बनीं,2.72 लाख रजिस्टर तैयार

कानून,समुदाय और तकनीक के समन्वय से मजबूत हो रहा संरक्षण तंत्र, 2030 तक वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने पर फोकस

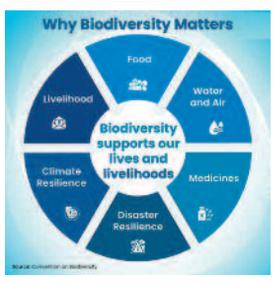

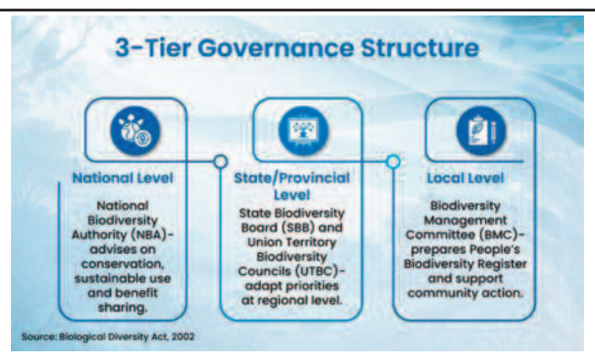

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जैव-विविधता संरक्षण के क्षेत्र में भारत लगातार मजबूत कदम बढ़ा रहा है। राष्ट्रीय स्तर से लेकर गांवों और शहरों तक विकसित त्रि-स्तरीय व्यवस्था के माध्यम से देश जैविक संसाधनों के संरक्षण, उनके सतत उपयोग और स्थानीय समुदायों की भागीदारी को बढ़ावा दे रहा है। वर्तमान में देशभर में 2.76 लाख से अधिक जैव-विविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी) का गठन किया जा चुका है, जबकि 2.72 लाख से अधिक पीपुल्स बायोडायवर्सिटी रजिस्टर (पीबीआर) तैयार किए गए हैं। भारत का जैव-विविधता ढांचा राष्ट्रीय जैव-विविधता प्राधिकरण, राज्य जैव-विविधता बोर्ड और स्थानीय जैव-विविधता प्रबंधन समितियों के माध्यम से संचालित होता है। ये संस्थाएं स्थानीय प्रजातियों, पारंपरिक ज्ञान और पारिस्थितिक तंत्रों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

जैव-विविधता संरक्षण विकास की भी

प्राथमिकता

विशेषज्ञों के अनुसार जैव-विविधता केवल पर्यावरण संरक्षण का विषय नहीं है, बल्कि खाद्य सुरक्षा,जल सुरक्षा, जलवायु संतुलन और आजीविका से भी सीधे जुड़ी हुई है। भारत के वन, आर्द्रभूमि, पर्वतीय क्षेत्र, समुद्री तट,घास के मैदान और रेगिस्तानी पारिस्थितिकी तंत्र करोड़ों लोगों के जीवन का आधार हैं।

2023 में और मजबूत हुआ जैव-विविधता कानून

जैव-विविधता अधिनियम 2002 में वर्ष 2023 में संशोधन कर इसे और प्रभावी बनाया गया। संशोधित कानून शोध, नवाचार, पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और जैविक संसाधनों के न्यायसंगत लाभ साझाकरण को बढ़ावा देता है। साथ ही स्थानीय समुदायों की भागीदारी को भी और मजबूत किया गया है।

वन और संरक्षित क्षेत्रों का बढ़ा दायरा

देश का कुल वन एवं वृक्ष आवरण अब लगभग 8.27 लाख वर्ग किलोमीटर तक पहुंच गया है,जो भारत के भौगोलिक क्षेत्रफल का 25 प्रतिशत से अधिक है। वहीं देश में 1,134 से अधिक संरक्षित क्षेत्र लगभग 1.87 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हुए हैं, जो वन्यजीवों और महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्रों की सुरक्षा कर रहे हैं।

बाघ संरक्षण में भारत की ऐतिहासिक सफलता

भारत ने बाघ संरक्षण में विश्व स्तर पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। वर्ष 2014 में जहां देश में 2,226 बाघ दर्ज किए गए थे, वहीं हालिया आंकड़ों के अनुसार उनकी संख्या बढ़कर 3,682 तक पहुंच गई है। यह वैज्ञानिक प्रबंधन, आवास संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता का परिणाम माना जा रहा है।

स्थानीय समुदाय बन रहे संरक्षण के साझेदार

देशभर में तैयार किए गए पीपुल्स बायोडायवर्सिटी रजिस्टरों में स्थानीय जैविक संसाधनों, वनस्पतियों,जीव-जंतुओं और पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजी करण किया जा रहा है। इन्हें अब डिजिटल स्वरूप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया भी जारी है,जिससे संरक्षण प्रयासों को और मजबूती मिलेगी।

2030 तक वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने की तैयारी

भारत ने अपनी राष्ट्रीय जैव-विविधता रणनीति एवं कार्ययोजना (2024-2030) को वैश्विक कुन्मिंग-मॉन्ट्रियल जैव-विविधता ढांचे के अनुरूप तैयार किया है। सरकार का लक्ष्य 2030 तक जैव-विविधता संरक्षण,पारिस्थितिकी पुनर्स्थापना और सतत विकास के लक्ष्यों को और प्रभावी ढंग से हासिल करना है।विशेषज्ञों का मानना है कि कानून, विज्ञान, वित्तीय संसाधनों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के समन्वित प्रयासों से भारत वैश्विक जैव-विविधता संरक्षण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और आने वाले वर्षों में यह मॉडल अन्य देशों के लिए भी उदाहरण बन सकता है।

देश की सुरक्षा एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

शिवप्रकाश
(राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री, भाजपा)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 10 जून को संवैधानिक चुनाव पद्धति से चयनित सबसे अधिक कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री हो जायेंगे । मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू का 4398 दिनों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर 4399 दिन अपनी देश सेवा के पूर्ण करेंगे । प्रधानमंत्री मोदी अपने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री दोनों के कार्यकाल को जो कर 25 वर्षों के साथ ही 9007 दिनों की अनवरत राष्ट्र सेवा को भी पूर्ण करेंगे । यह उत्साही,अविश्रांत,अनथक कर्मयोगी की यात्रा है । देश के विकास के लिए अनेक कीर्तिमान गढ़ने वाले कठोर निर्णयों के लिए तो 12 वर्षों का उनका कार्यकाल अविस्मरणीय रहेगा ही साथ-साथ देश की सुरक्षा के लिए भी उनके योगदान और भुलाया नहीं जा सकता । राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उन्होंने आतंकवाद से प्रति जीरो टॉलरेंस (ZERO TOLERANCE) की नीति को अपनाया । 13 जून 2014 को भारतीय सेना के साउथ ब्लॉक में स्थित रक्षा वॉर रूम में सेना उच्च अधिकारियों के साथ संवाद एवं रक्षा तैयारियों की समीक्षा कर ही अपनी सुरक्षा के प्रति प्राथमिकता को स्पष्ट कर दिया था । जब समस्त देश दीपावली पर दीपों से अपने-अपने घरों को प्रकाशमान करता है तब प्रधानमंत्री सीमा पर सुरक्षा में तैनात जवानों के बीच में उपस्थित रहकर देश उनके साथ है ऐसा संदेश देते हैं । सियाचिन से प्रारंभ कर 12 वर्षों में 12 स्थानों पर जाकर उन्होंने अपनी सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है । आचार्य चाणक्य ने राष्ट्र की सुरक्षा के संदर्भ में कहा था कि मजबूत सेना के बिना राष्ट्र सुरक्षित नहीं रह सकता 7 1962 में चाइना युद्ध में हमारी पराजय तथा 1964 में चाइना के परमाणु परीक्षण के बाद निर्मित निराशाजनक स्थिति से उबारने के लिए भारत को भी परमाणु शक्ति युक्त होना चाहिए , यह मांग जनसंघ ने 4 दिसम्बर 1964 को पटना अधिवेशन में की थी । तब कांग्रेस सहित समस्त दलों ने इस माँग का उपहास किया था । जनसंघ के इसी संकल्प की पूर्ति को 11 मई 1998 को प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण विस्फोट कर पूर्ण किया था । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आने के बाद 2014 रक्षा विभाग का बजट 2.27 लाख की तुलना में 3 गुना 7.85 लाख करो हो गया । आज हम 100 से अधिक देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेच रहे हैं । अब हमारा निर्यात में 2014 की तुलना में 686 करो से बे कर 2025 -26 में 38424 करो अर्थात 56 गुना वृद्धि हुई है । अब हम हाइपर सोनिक मिसाइल,ब्रह्मोस,बैलिस्टिक मिसाइल ,एयर डिफेन्स एवं रडार सिस्टम को ध्वस्त करने वाले रुद्रम -2,प्रलय,आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल बना रहे हैं । भारत का स्वदेशी आईएनएस विक्रांत,राफेल,एस - 400 विमानों से हम युक्त हैं 7 आर्मेनिया ने येरेवान रिपब्लिक स्क्वायर में भारत में बनी आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल एवं पिनाका रॉकेट लौनचर्स का प्रदर्शन भारतीयों को मस्तक ऊँचा करता हैं । 15 अगस्त 2025 को लाल किला से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वदेशी क्षमताओं, मेड इन इंडिया हथियारों ने सिद्ध किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा विदेशी निर्भरता पर नहीं टिक सकती। इसी का परिणाम ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने 22 मिनट में ही सभी निर्धारित लक्ष्य पूर्ण कर किए थे । 72000 करो की लागत से तैयार होने वाली ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की आर्थिक समृद्धि, सामुद्रिक रणनीति एवं सुरक्षा का आधार बनेगी ।

सेना में स्वदेशी रक्षा उत्पाद, रक्षा बजट में वृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा पर सफलता प्राप्त करना ऐतिहासिक कदम है । 2014 से पूर्व पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद चरम पर था 7 केवल कश्मीर ही नहीं देश का कोई शहर सुरक्षित नहीं था । मुंबई,जयपुर,दिल्ली,काशी सहित अनेक आतंकी घटनाएं आज भी हमको विचलित करती हैं । सुरक्षाबलों को आधुनिक शस्त्र, बुलेट प्रूफ जैकेट, टेरर फंडिंग पर रोक हेतु NO MONEY FOR TERROR" जैसे कड़े कदम, FATF के माध्यम् से वित्तीय दबाव के साथ सर्जिकल एवं बालाकोट एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने का कार्य किया। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में स्थापित आतंकी केंद्रों का सफाया एवं पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र को ध्वस्त किया । 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय कर देश की एकात्मता को सुदृढ़ किया है ।इस ऐतिहासिक दिन को देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व स्मरण करेगा जब हमने कहा कि 31 मार्च 2026 वामपंथ प्रेरित नक्सलवाद से हम मुक्त हो रहे हैं । 2024 में 126 जिले नक्सलवादी आतंक से युक्त थे । 2024 में ही केवल 290 नक्सली मारे गए। 1090 गिरफ्तार हुए 7 881 ने आत्मसर्पण कर भारत की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प किया । अब बस्तर सहित सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की बयार बह रही है ।

घुसपैठिये देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सुरक्षा के लिए खतरा एवं जनसांख्यिकी असंतुलन निर्माण कर रहे हैं । भारत सरकार ने इस संकट से उबरने के लिए डिटेक्ट, डिलीट,डिपोर्ट नीति के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की है । सीमा की निगरानी को सख्त किया है । बंगाल भाजपा विजय के पश्चात् बांग्लादेशी घुसपैठियों की बांग्लादेश की ओर वापसी की लाइन हम देख रहे हैं । 15,106 किलोमीटर सीमा सोती रेखा से जागती दीवार लक्ष्य में Laser Wall, Vibration sensors, Night vision camera का उपयोग हो रहा है। सीमा सुरक्षा के लिए 49 प्रतिशत बजट वृद्धि कर 5597 करोड़ निर्धारित किया गया है 7

अदृश्य युद्ध के माध्यम से भारत की साइबर सुरक्षा को चुनौती देने का कार्य भारत विरोधी शक्तियां कर रही हैं। राज्यसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार भारत ने लगभग 54 लाख साइबर शिकायतों एवं 31594 करो रुपयों के ठगी के प्रयासों का सामना करने में भारत सफल रहा। भारत सरकार ने 2024 में साइबर कमांडो व्यवस्था निर्माण का साइबर सुरक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की है । DCYA (DEFENCE CYBER AGENCY) एवं IyC के माध्यम से समन्वय कर साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रयास हो रहा है। देश को नशामुक्त बनाने हेतु व आतंकवाद जैसी समस्याओं के आय के प्रमुख स्त्रोत ड्रग्स के गैर कानूनी व्यापार पर करारा प्रहार करते हुए लगातार उनको जब्त किया जा रहा है। 2024 में ही 25,330 करो रुपये के ड्रग्स की जब्ती इस बात का पुख्ता प्रमाण है।

सीमा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान सीमावर्ती गाँव में बसे ग्रामीणों का रहता है । उनके मन में अपने प्रति उपेक्षा भाव न रहे इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2023 में कहा, ये अंतिम गाँव नहीं, भारत माँ के प्रथम गाँव है । VVP (VIBRANT VILLAGES PROGRAM) PHASE 1 -2 के अंतर्गत 4121 गाँवों के विकास के लिए लगभग 11639 करोड़ का बजट निर्धारित किया है जिसके द्वारा मौसम अनुकूल सड़क (ALL WEATHER ROAD), सौर उर्जा, मोबाइल कनेक्टिविटी, शिक्षा स्वास्थ्य एवं पर्यटन का ढांचा खड़ा किया जा रहा है । 2023 में लालकिला के मैदान में 600 सीमावर्ती गाँवों के सरपंचों की सहभागिता ने सीमा एवं दिल्ली का संगम कर दिया है ।अपने पंच प्रण के संकल्प में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था । इसका अनुपालन करते हुए ऑपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति एवं भारतीय स्वाभिमान में वृद्धि के अनेक प्रयास हुए हैं । IPC, CRPC की धारायें अब भारतीय न्याय संहिता हो गई है। राजपथ अब कर्तव्यपथ,7 रेस कोर्स रोड- 7 लोक कल्याण मार्ग , प्रधानमंत्री कार्यालय - सेवा तीर्थ एवं राजभवन - लोकभवन हो गए हैं । CDS की नियुक्ति ने तीनों सेनाओं में समन्वय किया है । नेवी का प्रतीक चिन्ह अब ब्रिटिश दासता का स्मरण नहीं छत्रपति शिवाजी का स्मरण कराता, तिरंगे में अष्टकोणीय चिन्ह के साथ शिवाजी की राजमुद्रा से अंकित एवं वेद मंत्र ÷शं नो वरुण:÷ एवं अशोक स्तम्भ का स्मरण कराता है। गणतंत्र दिवस के पश्चात् सेना द्वारा आयोजित बीटिंग रिट्रीट (BEATING RETREAT) परेड में अब अंग्रेजी धुन नही प्रसिद्ध गायिका स्वर्गीय लता मंगेशकर द्वारा रचित देशभक्ति गीत ए मेरे वतन के लोगो ने स्थान ले लिया है। सेना में महिला सहभागिता , सैनिक स्कूलों में वृद्धि एवं अग्निवीर योजना से सुरक्षा तंत्र में समाज की सहभागिता बढ़ेगी ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के ऐतिहासिक सुरक्षा के प्रति किए गए निर्णय सदैव स्मरण किए जाएंगे । राष्ट्र की संप्रभुता,आर्थिक विकास, शांति सभी के लिए सुरक्षा अनिवार्य शर्त है। सुरक्षा के प्रति किए गए उपायों का ही परिणाम है कि आज देश गरीब कल्याण, ढांचागत एवं आर्थिक विकास कर अपने सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करते हुए विश्व में अपना गौरवपूर्ण स्थान बना रहा है। भारत सुरक्षा के प्रति सजग रहते हुए 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य प्राप्ति में सफल हो, यह सभी नागरिकों का संकल्प बनना चाहिए ।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

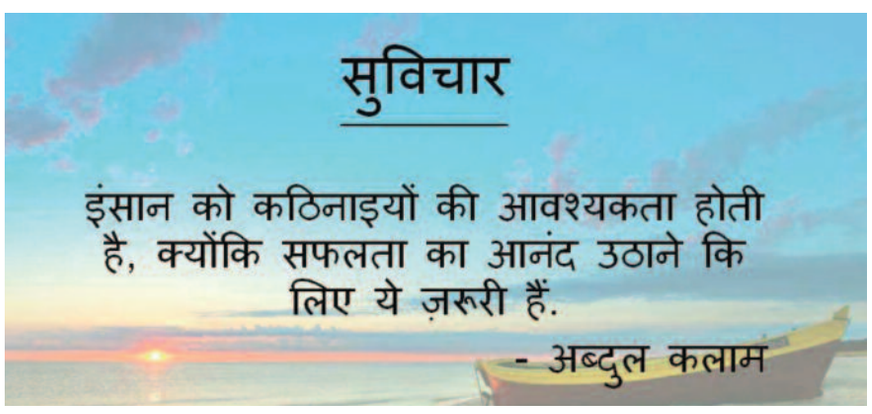

रिंग रोड की स्ट्रीट लाइट के लिए 10 लाख रुपए स्वीकृत,नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने जताया आभार

पूर्व राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह की पहल और आदित्येश्वर शरण सिंह देव के प्रयास से मिली राशि, जल्द सुधरेगी प्रकाश व्यवस्था

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

नगर पालिक निगम अंबिकापुर के नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने पूर्व राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि शहर के रिंग रोड क्षेत्र में लंबे समय से स्ट्रीट लाइट व्यवस्था जर्जर स्थिति में थी। अधिकांश स्ट्रीट लाइटें खराब होने के कारण क्षेत्र में अंधेरा पसरा रहता था,जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि नगर निगम के पास बजट की कमी होने के कारण लगभग एक वर्ष से स्ट्रीट लाइटों का प्रतिस्थापन नहीं हो सका था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने लगातार प्रयास किए, जिसके परिणामस्वरूप पूर्व राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने अपने राज्यसभा मद से अंबिकापुर नगर पालिक निगम के रिंग रोड में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को सुचारू रूप से बहाल करने के लिए 10 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। यह राशि अब नगर निगम को प्राप्त हो चुकी है। शफी अहमद ने कहा कि रिंग रोड क्षेत्र में अंधेरे के कारण विगत दिनों कई सड़क दुर्घटनाएं और आपराधिक घटनाएं भी सामने आई थीं। ऐसे में नई स्ट्रीट लाइटें लगने से न केवल आवागमन सुरक्षित होगा, बल्कि नागरिकों को भी राहत मिलेगी। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से आग्रह किया कि प्राप्त राशि का उपयोग करते हुए रिंग रोड में जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइट लगाने की कार्रवाई शुरू की जाए। नेता प्रतिपक्ष ने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए पूर्व राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया तथा लगातार प्रयास कर स्वीकृति दिलाने वाले पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह पहल शहर की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी और इससे हजारों नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

मेडिकल कॉलेज पर वित्त मंत्री के बयान पर कांग्रेस का पलटवार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने वित्त मंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में 15 वर्षों तक शासन करने वाली भाजपा ने वर्ष 2018 में अंबिकापुर को ऐसे मेडिकल कॉलेज की विरासत सौंपी थी, जिसका न तो अपना भवन था और न ही पर्याप्त संसाधन। स्थिति यह थी कि आवश्यक सुविधाओं के अभाव में कई बार प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित हुई और शून्य वर्ष घोषित करने जैसी परिस्थितियां निर्मित हो रही थीं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद तत्कालीन उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव की दूरदर्शी सोच और विशेष प्रयासों से अंबिकापुर में मेडिकल कॉलेज का विशाल एवं आधुनिक परिसर तैयार हुआ, जिसका लाभ आज पूरे सरगुजा संभाग

की जनता को मिल रहा है। उनके प्रयासों का ही परिणाम है कि अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज प्रदेश का दूसरा ऐसा मेडिकल कॉलेज बना, जहां पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) की पढ़ाई संचालित हो रही है। बालकृष्ण पाठक ने कहा कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल भवन के निर्माण में हुई देरी को लेकर वित्त मंत्री को तथ्यात्मक स्थिति की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल भवन की भूमि पर भाजपा से जुड़े एक पार्षद के परिवार द्वारा कब्जे के प्रयास के चलते न्यायालय से स्थगन आदेश (स्टे) प्राप्त कर लिया गया था,जिसके कारण निर्माण कार्य प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि यही वह कारण था, जिससे मेडिकल कॉलेज अस्पताल भवन का निर्माण समय पर पूरा नहीं हो सका। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सत्ता में नहीं रहने के बावजूद पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव लगातार मेडिकल कॉलेज अस्पताल भवन के निर्माण के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राशि स्वीकृत होने और भाजपा सरकार के ढाई वर्ष पूरे होने के बावजूद अब तक अस्पताल भवन निर्माण के लिए एक टेंडर तक जारी नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को पूर्ववर्ती सरकार के कार्यों पर सवाल उठाने के बजाय लंबित परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए,ताकि सरगुजा संभाग की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

मेडिकल कॉलेज पर सियासत तेज ओपी चौधरी के बयान पर सिंहदेव का पलटवार

वित्त मंत्री बोले...कांग्रेस शासन में नहीं मिली राशि, सिंहदेव ने कहा- ढाई साल में सरकार भी काम पूरा नहीं करा सकी

मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण को लेकर एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। सोमवार को अंबिकापुर प्रवास पर पहुंचे प्रदेश के वित्त मंत्री एवं सरगुजा प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने कांग्रेस शासनकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि तत्कालीन डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बीच तालमेल नहीं होने के कारण मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण के लिए राशि नहीं मिल पाई थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार बनते ही मेडिकल कॉलेज के लिए 100 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए ओपी चौधरी ने कहा कि टीएस सिंहदेव स्वास्थ्य मंत्री और डिप्टी सीएम थे,जबकि वित्त विभाग भूपेश बघेल के पास था। इसके बावजूद मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि सरकार ने आवश्यक राशि उपलब्ध करा दी है और अब निर्माण एजेंसियों को तेजी से काम पूरा करने के निर्देश दिए जाएंगे। वहीं वित्त मंत्री के बयान पर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मंत्री ने मेडिकल कॉलेज में हुए कार्यों का उल्लेख नहीं किया। मेडिकल कॉलेज शुरू कराने से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन की करीब 50 सीटें स्वीकृत कराने तक कई महत्वपूर्ण कार्य कांग्रेस शासनकाल में हुए थे। सिंहदेव ने कहा कि सरकार बनने के बाद उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री से मुलाकात कर बताया था कि स्वीकृत राशि से अधिक का कार्य हो चुका है तथा अतिरिक्त राशि मिलने पर निर्माण पूरा हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए पूर्ववर्ती सरकार पर दोष मढ़ रही है। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार को ढाई वर्ष हो चुके हैं और इतने समय से ओपी चौधरी सरगुजा के प्रभारी मंत्री हैं। इसके बावजूद भवन निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की कमियां गिनाने के साथ वर्तमान सरकार को भी अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि सत्ता और विपक्ष मिलकर काम करें तो सरगुजा और प्रदेश की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकती हैं।

मॉर्निंग वॉक से घर आकर शिक्षक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के नमनाकला में रहने वाले शिक्षक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के अनुसार नमनाकला में पावर हाउस के पास रहने वाले शिक्षक अशोक जायसवाल 61 वर्ष,सोमवार को रोजाना की भांति अपनी पत्नि के साथ सुबह करीब 5 बजे मॉर्निंग वॉक में निकले थे। रास्ते में पत्नि से सामान्य बातचीत करते हुए 6.15 बजे के लगभग वापस घर पहुंचे,और उनकी पत्नि घर के साफ-सफाई में भिड़ गई। घर में झाड़ू लगाने के बाद पत्नि कचरा फेंकने के लिए बाहर गई, तब तक शिक्षक पति की स्थिति सामान्य थी। कुछ देर के बाद कचरा फेंककर जब वह घर के अंदर पहुंची,तो उसके पति का शव फांसी के फंदे से पर लटक रहा था,जिसे देख उसके होश उड़ गये। मां के हल्ला मचाने पर मौके पर पुत्र पहुंचा और वे शव को फांसी के फंदा से उतारे,लेकिन उनकी सांस थम गई थी। सूचना मिलने पर मौके पर गांधीनगर थाना पुलिस पहुंची और शिक्षक के स्थिर शरीर को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल रवाना किया,यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृत शिक्षक द्वारा अपने घर के बगल में ही नये मकान का निर्माण करवाया जा रहा है,जो प्लिंथ लेबल तक पहुंच गया है। सोमवार को इसका ढलाई करने के लिये मजदूर,मिस्त्री आने वाले थे। इनके द्वारा खुदकुशी जैसा कदम क्यों उठाया गया,इसे लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। बहरहाल, पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

पुनर्वास पट्टे से प्राप्त भूमि के क्रय-विक्रय एवं पंजीयन पर रोक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत सरगुजा द्वारा जारी आदेश के अनुसार पुनर्वास पट्टे से प्राप्त भूमि के क्रय-विक्रय एवं उसके पंजीयन पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी गई है। जारी आदेश में कहा गया है कि पुनर्वास पट्टे से प्राप्त भूमि को छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 165 (7) (ख) के तहत क्रय-विक्रय की अनुमति को न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने की स्थिति में संहिता की धारा 44 (1) के तहत अपील प्रकरणों में तथा छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 30 के तहत वरिष्ठ राजस्व न्यायालयों द्वारा ऐसे पुनर्वास पट्टे से प्रदत्त भूमि के क्रय-विक्रय की अनुमति दी जा सकती है अथवा नहीं,इस संबंध में सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, रायपुर से मार्गदर्शन मांगा गया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में शासन के हितों को दृष्टिगत रखते हुए निर्देशित किया गया है कि सचिव,राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, रायपुर से मार्गदर्शन प्राप्त होने तक पुनर्वास पट्टे से प्राप्त भूमि के क्रय-विक्रय तथा इसके पंजीयन पर रोक रहेगी। मार्गदर्शन प्राप्त होने के उपरांत इस संबंध में पृथक से अवगत कराया जाएगा। इस संबंध में जिला पंजीयक सरगुजा,अम्बिकापुर तथा उप पंजीयक अम्बिकापुर एवं सीतापुर को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

दुर्घटना के बाद सड़क पर गिरे स्कूटी सवार युवक को डंडे व रॉड से पीटा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

कार वाहन को सटाकर पार करने से स्कूटी सवार गिरकर जख्मी हो गया। इसके बाद कार सवार ने मदद करने के बजाये पीड़ित के साथ डंडा, रॉड से मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। भयभीत स्कूटी सवार जब घटना की जानकारी देने के लिए कोतवाली थाना पहुंचा, तो कार सवार थाना के सामने पहुंच गये और बिना किसी भय के यहां भी विवाद और मारपीट पर उतारू हो रहे थे। रिपोर्ट पर कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी कार सवारों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, अंबिकापुर निवासी फाल्गुन शखा, धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चंगोरी में स्थित जगदम्बा क्रशर में काम करता है। 7 जून को वह क्रशर से काम करके अपने स्कूटी से वापस घर आ रहा था। रात करीब 11 बजे तकिया रोड में सामने से आ रहा कार सवार, स्कूटी वाहन से अपने कार को सटाते हुए पार किया, जिससे वह गिर गया, और कैसे गाड़ी चला रहे हो कहा। इसके बाद कुछ दूरी कार को रोककर पहुंचा एक व्यक्ति अपना नाम किशन तिवारी बताया और गाली-गलौज करते हुये अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर जान से मारने की धमकी देते हाथ, मुक्कका, डंडा, रॉड से मारपीट करने लगा। इनके चंगुल से छूटकर किसी तरह स्कूटी सवार मौके से भागा और थाने पहुंचा। इस दौरान किशन तिवारी एवं उसके साथी भी उसका पीछा करते थाना तक पहुंच गये और थाना के सामने भी वाद-विवाद की स्थिति निर्मित कर दिये। मारपीट में स्कूटी सवार को सिर,दोनों हाथ,पीठ,कमर,पैर में चोटें आई है।

किसानों को समय पर खाद-बीज,राजस्व मामलों का त्वरित निराकरण और योजनाओं का अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचे : प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी

जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश,जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बेहतर समन्वय पर दिया जोर...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण विभाग तथा सरगुजा जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास के लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। सभी अधिकारी जनप्रतिनिधियों के साथ तालमेल बनाकर लोकहित के कार्यों को प्राथमिकता दें।

प्रधानमंत्री आवास,सड़क और पेयजल व्यवस्था पर जोर

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को स्वीकृत आवासों की सूची उपलब्ध कराने तथा लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही अंबिकापुर शहर में पेयजल और विद्युत आपूर्ति संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण पर जोर दिया। सड़कों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत और सुधार कार्य कराने तथा बारिश से पहले सभी निर्माण कार्य प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

हाथी प्रभावित परिवारों को शीघ्र मिले सहायता

मंत्री ने तेंदूपत्ता संग्रहण और भुगतान की समीक्षा के साथ वन विभाग को अवैध कटाई रोकने और वृक्षारोपण बढ़ाने के निर्देश दिए। हाथी प्रभावित क्षेत्रों में जनहानि और फसल नुकसान के मामलों की जानकारी लेते हुए उन्होंने मृतकों के परिजनों को शीघ्र सहायता राशि उपलब्ध कराने को कहा।

महतारी वंदन और पीएम सूर्यघर योजना पर फोकस

उन्होंने कहा कि कई योजनाओं का लाभ ई-केवाईसी से जुड़ा है, इसलिए पात्र हितग्राहियों का ई-केवाईसी अभियान चलाकर पूरा कराया जाए। महतारी वंदन योजना के पात्र हितग्राहियों का नाम किसी भी स्थिति में नहीं छूटना चाहिए। वहीं पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार और लाभार्थियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

सुशासन तिहार के आवेदनों का समय सीमा में निराकरण : प्रभारी मंत्री ने सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया जाए। विभागवार मॉनिटरिंग कर लंबित मामलों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए और जहां संभव हो,मौके पर ही समाधान कर नागरिकों को राहत दी जाए।

राजस्व मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान त्रुटि सुधार, सीमांकन,नामांतरण,नक्शा बटांकन,अतिक्रमण,आधार सीडिंग,किसान किताब और अन्य मामलों की प्रगति पर चर्चा हुई। मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि त्रुटि सुधार संबंधी मामलों में अनावश्यक विलंब और लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

किसानों को समय पर मिले खाद और बीज

खरीफ सीजन को देखते हुए मंत्री ने खाद-बीज की उपलब्धता,भंडारण और वितरण की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों, विशेषकर लघु एवं सीमांत कृषकों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज उपलब्ध कराया जाए। खाद विक्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण कर कालाबाजारी पर सख्ती से रोक लगाने तथा बीज वितरण व्यवस्था को सुचारू रखने के निर्देश भी दिए।

कई विभागों के कार्यों की समीक्षा

बैठक में मनरेगा, स्वास्थ्य, शिक्षा, वन, जल संसाधन, कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी, खेल एवं युवा कल्याण सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने भी विकास कार्यों से जुड़े सुझाव रखे। बैठक में सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक प्रबोध मिंज, महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, कलेक्टर अजीत वसंत, एसएसपी राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर एकजुट हुए मेडिकल छात्र,डीन को ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

प्रदेश के एमबीबीएस इंटर्न्स द्वारा स्टाइपेंड वृद्धि की मांग अब जोर पकडने लगी है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मेडिकल स्टूडेंट्स नेटवर्क (आईएमए-एमएसएन) छत्तीसगढ़ के नेतृत्व में मेडिकल छात्र इंटर्न्स का मासिक स्टाइपेंड बढ़ाकर 30 हजार रुपए करने की मांग कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि वर्तमान में इंटर्न्स को अगस्त 2023 से मात्र 15,900 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड मिल रहा है। जबकि वे अस्पतालों में मरीजों की देखभाल, आपातकालीन ड्यूटी, वार्ड प्रबंधन समेत कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हैं। बढ़ती महंगाई और कार्यभार को देखते हुए वर्तमान राशि अपर्याप्त है। अभियान को प्रदेशभर के मेडिकल विद्यार्थियों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। आईएमए-एमएसएन के अनुसार अब तक विभिन्न शासकीय मेडिकल कॉलेजों के 6,468 से अधिक छात्र मांग के समर्थन में सहमति जता चुके हैं। इनमें प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों से लेकर वर्तमान इंटर्न्स तक शामिल हैं। इसी क्रम में राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, अंबिकापुर के विद्यार्थियों ने डीन डॉ. अविनाश मेश्राम को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जय शंकर शाह, अनुभव पांडेय, अमन सिंह और शशांक गुप्ता उपस्थित रहे। डीन डॉ. मेश्राम ने ज्ञापन प्राप्त कर आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया के लिए अग्रेषित करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों ने उम्मीद जताई कि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। आईएमए अंबिकापुर के अध्यक्ष डॉ. अजय तिर्की, सचिव डॉ. अर्पण सिंह चौहान तथा आईएमए-एमएसएन छत्तीसगढ़ के संयोजक शाहदिल खुसरू के मार्गदर्शन में प्रदेशभर के मेडिकल कॉलेजों में ज्ञापन सौंपने का अभियान चलाया जा रहा है। आईएमए-एमएसएन ने बताया कि सभी मेडिकल कॉलेजों में ज्ञापन सौंपने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, वित्त मंत्री ओपी चौधरी तथा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को भी विस्तृत ज्ञापन सौंपा जाएगा।

गाली गलौज करने की शंका पर घर में घुसकर मजदूर पर रॉड से जानलेवा हमला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

पत्नि से गाली-गलौज कर रहे मजदूर के घर में बलपूर्वक दरवाजा खोलकर घुसे दो युवकों ने जमकर पिटाई कर दी, और घर में रखे रॉड से सिर में वार कर दिया। घायल का मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक सूरजपुर जिला के ग्राम करौटी, थाना चेंद्रा का अलेश घसिया, गंगापुर अंबिकापुर में दीपक के यहां किराये का कमरा लेकर अपनी पत्नि और बच्चों के साथ निवास करता है और लेबर कुली का काम करता है। 6 जून को शाम लगभग 7 बजे के अलेश घसिया पत्नि मतिबाई से घर के अंदर गाली गलौज कर रहा था, इस दौरान उसके दामाद तेजलाल घसिया एवं लडक़ी सुक्रिया भी घर में थे। गाली-गलौज को उसके घर के पास मौजूद आयुश यादव और अनिश सुने और उन्हें लगा कि, अलेश उन्हें गाली दे रहे है। इसके बाद वे अलेश के घर के दरवाजा को लात मारकर खोलवाने का प्रयास किये, दरवाजा नहीं खुलने पर गाली देते हुये दरवाजे को बलपूर्वक खोलकर घर के अंदर घुस गये, और गाली देने का आरोप लगाते हुये मारपीट करने लगे।

बुजुर्गों के लिए खुला खुशियों का नया ठिकाना : अंबिकापुर में 'सियान गुड़ी' डे-केयर सेंटर शुरू

मंत्री ओ.पी. चौधरी और लक्ष्मी राजवाड़े ने किया उद्घाटन, बुजुर्गों संग कैरम-लूडो खेलकर बिताया समय

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानपूर्ण,सुरक्षित और सक्रिय जीवनशैली उपलब्ध कराने की दिशा में सोमवार को एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई। मनेंद्रगढ़ रोड स्थित टाटा शोरूम के पीछे समाज कल्याण विभाग द्वारा स्थापित 'सियान गुड़ी' वरिष्ठ नागरिक डे-केयर सेंटर का शुभारंभ वित्त एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी तथा समाज कल्याण एवं महिला-बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया। उद्घाटन अवसर पर मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से ही समाज को सही दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुखद जीवन के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित इस केंद्र की स्थापना की गई है, जहां वे आनंदमय वातावरण में अपना समय व्यतीत कर सकेंगे। समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बदलती जीवनशैली और व्यस्तता के कारण कई बार बुजुर्ग अकेलेपन का अनुभव करते हैं। ऐसे में 'सियान गुड़ी' उन्हें सामाजिक जुड़ाव, मानसिक संबल और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

योग, स्वास्थ्य जांच से लेकर मनोरंजन तक की सुविधाएं : 25 सीटर क्षमता वाले इस डे-केयर सेंटर में योग, प्राणायाम, फिजियोथेरेपी, प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, पुस्तकालय, पारिवारिक परामर्श, सांस्कृतिक गतिविधियां, इंडोर गेम्स, स्वल्पाहार और भोजन जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। केंद्र का संचालन सप्ताह में छह दिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा।

कैरम और लूडो खेलकर बढ़ाया उत्साह : कार्यक्रम के दौरान मंत्रीगण और जनप्रतिनिधियों ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ कैरम और लूडो खेलकर आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर बुजुर्गों का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया तथा जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को व्हीलचेयर और छड़ी भी वितरित की गई।

अनामिका वेलफेयर सोसायटी करेगी संचालन : समाज कल्याण विभाग के सहयोग से संचालित इस केंद्र का संचालन अनामिका वेलफेयर सोसायटी, अंबिकापुर द्वारा किया जाएगा। 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विकसित इस केंद्र में सामाजिक सहभागिता, मनोरंजन और स्वास्थ्य सुविधाओं का समुचित वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक प्रबोध मिंज, महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी,जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, पार्षद कमलेश तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल तथा समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

एयर कंडीशनर के कॉपर पाइप चोरी का खुलासा या अधूरी पटकथा?

देवेन्द्र रजक से लेकर कबाड़ी नेटवर्क तक,कोरिया पुलिस की कहानी पर उठ रहे सवाल...

कोरिया पुलिस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उठे सवाल,आखिर असली कहानी क्या है?

जिला न्यायालय,बैंक और एसईसीएल तक पहुंचे चोर,लेकिन खुलासे के बाद भी जनता पूछ रही...असली खिलाड़ी कौन?

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।
कोरिया जिले में एयर कंडीशनर के कॉपर पाइप चोरी मामले में पुलिस ने जिस आत्मविश्वास के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी पीठ थपथपाई,उतनी ही तेजी से जिले में सवालों की आंधी भी उठ खड़ी हुई है, जिला एवं सत्र न्यायालय,यूनियन बैंक,छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक और एसईसीएल के साकेत सदन जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों से एसी के कॉपर पाइप चोरी होना कोई मामूली घटना नहीं थी, लेकिन अब चोरी से ज्यादा चर्चा उसके खुलासे की हो रही है। पुलिस के अनुसार 28 मई से 5 जून 2026 के बीच हुई चार अलग-अलग चोरी की घटनाओं में कुल 18 एसी के कॉपर पाइप चोरी किए गए थे,जिनकी कीमत लगभग 92 हजार रुपये बताई गई,पुलिस ने दावा किया कि आरोपी देवेन्द्र कुमार रजक उर्फ दीपू,एक अपचारी बालक, तथा चोरी का सामान खरीदने वाले नासिर खान, जय सिंह और मोहम्मद गफ्फार को पकड़ लिया गया है और पूरा माल बरामद कर लिया गया है, लेकिन जनता का सवाल है कि यदि कहानी इतनी सीधी और सरल थी तो फिर इतने दिनों तक जिले के सबसे महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा आखिर किस भरोसे चल रही थी?

चोरों का निशाना कोई साधारण मकान नहीं था

आमतौर पर चोरी की घटनाएं सुनने में आती हैं तो लोग समझते हैं कि किसी बंद घर या दुकान को निशाना बनाया गया होगा, लेकिन यहां मामला अलग था,चोरों ने जिला न्यायालय को निशाना बनाया। बैंकों को निशाना बनाया। एसईसीएल के विश्रामगृह को निशाना बनाया,व्यंग्य यह है कि जहां आम आदमी न्याय मांगने जाता है,वहीं न्यायालय परिसर के एसी भी सुरक्षित नहीं रहे, जहां जनता अपनी जमा-पूंजी रखती है,वहां बैंकों के एसी भी चोरों की नजर से नहीं बच सके,और जहां सुरक्षा व्यवस्था अपेक्षाकृत

बेहतर मानी जाती है,वहां एसईसीएल का साकेत सदन भी चोरी का शिकार बन गया, ऐसे में लोग कह रहे हैं कि यदि सरकारी और अर्धसरकारी संस्थानों की यह हालत है तो आम नागरिकों को भगवान भरोसे ही रहना होगा।

देवेन्द्र रजक बना पूरी कहानी का नायक

पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार देवेन्द्र कुमार रजक उर्फ दीपू को संदेह के आधार पर पूछताछ के लिए बुलाया गया, पूछताछ में उसने अपने एक अपचारी साथी के साथ मिलकर जिला न्यायालय और साकेत सदन से कॉपर पाइप चोरी करना स्वीकार कर लिया,इसके अलावा उसने बैंकों में हुई चोरी की जिम्मेदारी भी अपने ऊपर ले ली, अब जिले में व्यंग्य यह चल रहा है कि पुलिस की कहानी में देवेन्द्र रजक ऐसा सर्वगुण संपन्न पात्र बनकर उभरा है जो कभी साथी के साथ चोरी करता है,कभी अकेले चोरी करता है और अंत में पूरा मामला भी स्वीकार कर लेता है,लोग पूछ रहे हैं कि क्या वास्तव में पूरा नेटवर्क इतना छोटा था या फिर कहानी का कुछ हिस्सा अभी भी पर्दे के पीछे है?

कबाड़ी बने कहानी के सह-कलाकार- पुलिस ने चोरी का सामान खरीदने वाले तीन लोगों के नाम भी सार्वजनिक किए हैं,इनमें नासिर खान,जय सिंह और

बरामदगी कहां से हुई...यही सबसे बड़ा सवाल...

पुलिस ने बताया कि चोरी का पूरा माल बरामद कर लिया गया है, लेकिन आम नागरिक पूछ रहे हैं कि बरामदगी आखिर कहां से हुई? किसके घर से हुई? किस गोदाम से हुई? किस दुकान से हुई? किस परिसर से हुई? यदि सामान किसी के कब्जे से मिला तो उस स्थान का स्पष्ट उल्लेख क्यों नहीं किया गया? यही कारण है कि पटना और बैकुंठपुर क्षेत्र में चर्चा है कि पुलिस ने खुलासा तो किया लेकिन कहानी के कुछ पन्ने जनता को पढ़ने नहीं दिए।

कॉपर पाइप चोरी कोई बच्चों का खेल नहीं

कॉपर पाइप निकालना आसान काम नहीं होता,एसी की संरचना समझना पड़ती है, पाइप काटने पड़ते हैं, उपकरणों का उपयोग करना पड़ता है, इसलिए लोगों का मानना है कि यह कोई अचानक की गई चोरी नहीं थी, यह सुनियोजित अपराध था, ऐसा अपराध जिसमें पहले रेकी की गई होगी, सुरक्षा व्यवस्था को समझा गया होगा और फिर मौका देखकर वारदात को अंजाम दिया गया होगा, लेकिन पुलिस की कहानी में पूरा मामला ऐसा दिखाई देता है मानो कुछ युवकों ने घूमते-घूमते एसी देखे और कॉपर पाइप निकाल लिए, यहीं पर लोगों को कहानी अधूरी लग रही है।

मोहम्मद गफ्फार शामिल हैं,यहीं से चर्चा का दूसरा अध्याय शुरू होता है,लोगों का कहना है कि चोरी का असली बाजार खरीददारों के कारण ही चलता है,यदि चोरी का माल खरीदने वाला न हो तो चोरों की आधी हिम्मत वैसे ही खत्म हो जाए,लेकिन जिले के लोगों का सवाल है कि आखिर इन खरीददारों तक चोरी का सामान पहुंचा कैसे? क्या पहली बार ऐसा हुआ? क्या इनके पुराने रिकॉर्ड की जांच होगी? क्या कबाड़ कारोबार की नियमित निगरानी होती है? व्यंग्य में लोग कह रहे हैं कि जिले में कबाड़ी चोरी के हर बड़े मामले में चर्चा में आ जाते हैं, लेकिन कार्रवाई के बाद फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।

पुलिस की सफलता पर सवाल नहीं,प्रस्तुति पर सवाल जरूर- यह भी सच है कि चोरी का माल बरामद हुआ है और आरोपी पकड़े गए हैं,इसके लिए पुलिस की टीम की मेहनत को नकारा नहीं जा सकता,पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना सिटी कोतवाली,चरचा,सोनहत और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने काम किया और मामले तक पहुंची, लेकिन जनता का कहना है कि जब मामला इतना बड़ा था तो खुलासे में भी उतनी ही पारदर्शिता दिखाई जानी चाहिए थी,सिर्फ यह बताना कि माल बरामद हो गया, काफी नहीं है,यह भी बताना जरूरी है कि माल कहां मिला, किस परिस्थिति में मिला और पूरे नेटवर्क की असली तस्वीर क्या थी।

जिले में बढ़ रही चिंता...

कोरिया जिले में पहले से ही चोरी की घटनाओं को लेकर लोगों में चिंता बनी हुई है,कई मामलों में आज तक पूर्ण खुलासा नहीं हो पाया, ऐसे में जब न्यायालय, बैंक और एसईसीएल जैसी संस्थाएं भी चोरों के निशाने पर आ जाएं तो स्वाभाविक रूप से जनता की चिंता बढ़ जाती है, लोगों का मानना है कि यदि चोरी करने वाले और चोरी का माल खरीदने वाले दोनों के खिलाफ कठोर और पारदर्शी कार्रवाई नहीं हुई तो ऐसी घटनाएं आगे भी जारी रहेंगी।

सवाल अभी भी बाकी हैं...

पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफलता का दावा कर दिया है,देवेन्द्र रजक,नासिर खान,जय सिंह, मोहम्मद गफ्फार और एक अपचारी बालक के नाम भी सामने आ चुके हैं,चोरी का सामान भी बरामद बताया जा रहा है, लेकिन जनता के बीच आज भी कुछ सवाल तैर रहे हैं क्या पूरी सच्चाई सामने आ गई है? क्या चोरी का पूरा नेटवर्क उजागर हुआ है? क्या बरामदगी की पूरी जानकारी सार्वजनिक होगी? और सबसे बड़ा सवाल क्या यह वास्तव में कॉपर पाइप चोरी का पूर्ण खुलासा है,या फिर वह संस्करण है जिसे जनता के सामने प्रस्तुत करना सुविधाजनक समझा गया? जब तक इन सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं मिलता,तब तक कोरिया पुलिस की यह सफलता तालियों से ज्यादा बहस, चर्चा और संदेह का विषय बनी रहेगी।

घरेलू विवाद में पोते ने की दादा की हत्या,24 घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
चांदो/बलरामपुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के चांदो थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद के चलते एक युवक ने अपने ही दादा की धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटना के बाद फरार हुए आरोपी पोते को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए न्यायालय में पेश किया है।
पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नवाडीह निवासी मुनिया केरकेटा (64 वर्ष) ने चांदो थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके पति भुवनेश्वर केरकेटा (65 वर्ष) 7 जून को घर पर मौजूद थे। इसी दौरान उनका नाती अरुण केरकेटा (20 वर्ष), पिता प्रेम केरकेटा, घर आया था। बताया गया कि भुवनेश्वर केरकेटा ने अरुण को नहाने, कपड़े धोने और कोई कामकाज नहीं करने को लेकर समझाइश दी। इसी बात पर नाराज होकर अरुण ने घर में रखे बसुला से अपने दादा के सिर और गले पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से भुवनेश्वर केरकेटा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन घर पहुंचे तो आरोपी मौके से भागने की कोशिश कर रहा था। परिवार के लोगों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह फरार होने में सफल रहा। मामले की सूचना पर चांदो थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 21/2026 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के निर्देश पर चांदो थाना सहित अन्य थाना और चौकी पुलिस की टीमों को आरोपी की तलाश में लगाया गया।
तलाश के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी राजपुर-बरियों मार्ग की ओर भाग रहा है। सूचना के आधार पर चांदो और राजपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर आरोपी अरुण केरकेटा को राजपुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी जिले से बाहर भागने की फिराक में था।
गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की गई, जिसके पश्चात उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। मामले में पुलिस द्वारा आगे की विवेचना की जा रही है।

कृषि विभाग का बड़ा एक्शन : केल्हारी में बीज और कीटनाशक कारोबारियों पर औचक छापा

168 बोरी संदिग्ध बीज की बिक्री पर रोक,कई प्रतिष्ठानों को नोटिस

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,08 जून 2026(घटती-घटना)।
खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ किसानों को नकली और अमानक कृषि सामग्री से बचाने के लिए कृषि विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी एमसीबी के निर्देश तथा उप संचालक कृषि के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने केल्हारी क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर कई गंभीर अनियमितताओं का खुलासा किया, कार्रवाई के दौरान रवि बीज भंडार, गोविंद बीज भंडार, रूमान कृषि केंद्र तथा केल्हारी एफपीओ सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की गई। निरीक्षण की खबर मिलते ही क्षेत्र के कृषि आदान विक्रेताओं में हड़कंप मच गया।

केल्हारी एफपीओ में मिली बड़ी गड़बड़ी-निरीक्षण के दौरान मेसर्स केल्हारी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड,सेमरिया में सबसे गंभीर अनियमितताएं सामने आईं,जांच दल को यहां बड़ी मात्रा में बीजों का भंडारण मिला, लेकिन संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा सके, प्रोपराइटर दिनेश साहू स्टॉक पंजी,बीज परीक्षण रिपोर्ट और पैकेजिंग अनुज्ञप्ति प्रस्तुत नहीं कर पाए। जांच में यह भी पाया गया कि बिना अधिकृत लाइसेंस के हाइब्रिड एवं रिसर्च (टीएल) धान और सरसों बीजों की पैकेजिंग तथा भंडारण किया जा रहा था,कृषि विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 168 बोरी अर्थात 71.40 क्विंटल संदिग्ध बीज की बिक्री पर रोक लगा दी है और तीन दिन के भीतर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

कीटनाशक दुकानों में भी मिलीं कई खामियां-निरीक्षण के दौरान कई कीटनाशक विक्रेताओं के यहां गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, कई दुकानों में स्टॉक पंजी संधारित नहीं पाया गया तथा किसानों को पक्का बिल या कैश मेमो जारी नहीं किया जा रहा था,इसके अलावा मूल्य सूची भी प्रदर्शित नहीं की गई थी,जिससे किसानों को वास्तविक दरों की जानकारी नहीं मिल पा रही थी।

एक्सपायरी दवाओं की बिक्री का खुलासा-जांच दल को कुछ प्रतिष्ठानों में अवसान तिथि पूरी कर चुके कीटनाशकों का भंडारण मिला, अधिकारियों ने पाया कि ऐसे उत्पाद किसानों को बेचे भी जा रहे थे,कृषि विशेषज्ञों के अनुसार एक्सपायरी कीटनाशक फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ किसानों को आर्थिक हानि भी पहुंचा सकते हैं।

सुरक्षा मानकों की भी अनदेखी-कई प्रतिष्ठानों में बिना लेबल और बिना पैकिंग वाले कीटनाशक पाए गए,वहीं कुछ दुकानों में कीटनाशकों के साथ मानव एवं पशु उपयोग की खाद्य सामग्री भी रखी गई थी,जिसे विभाग ने सुरक्षा नियमों का गंभीर उल्लंघन माना है।

तीन दिन में जवाब नहीं तो होगी कड़ी कार्रवाई- कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि पाई गई अनियमितताएं कीटनाशी अधिनियम 1968, कीटनाशक नियम 1971 तथा बीज नियंत्रण आदेश 1983 का उल्लंघन हैं,संबंधित प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है,विभाग ने चेतावनी दी है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर लाइसेंस निरस्त करने के साथ एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

किसानों के हित में जारी रहेगा अभियान- संयुक्त कार्रवाई में कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया, कृषि विभाग ने कहा है कि खरीफ सीजन के दौरान जिलेभर में लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा,नकली,अवैध और अमानक बीज,खाद तथा कीटनाशकों का कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी ताकि किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री उपलब्ध कराई जा सके।

दो बाइकों की भिड़ंत में किशोर की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।
दो बाइकों की भिड़ंत में एक किशोर की मौत हो गई। दूसरे को मामूली चोटें आई है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के अनुसार सूरजपुर जिला के रामानुजनगर थाना अंतर्गत ग्राम मोहनपुर का अगस्त बाबू पिता चंद्रशेखर 15 वर्ष, 7 जून को अपने फुआ के लड़के अमरूद के साथ बाइक से अंबिकापुर आये थे। वापस घर जाते समय शाम करीब 7.30 बजे मुख्य मार्ग सूरजपुर में ग्राम मानी और पोड़ी के बीच, छात्रावास के पास, विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार से इनकी आमने-सामने भिड़त हो गई, जिसमें दोनों गिर गये। गांव के सरपंच से हादसे की सूचना मिलने पर परिजन इन्हें एम्बुलेंस से सूरजपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां से उपचार के बाद अगस्त को 8

जून को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल लाया गया, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में दोपहर करीब 12.22 बजे जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। अमरूद को पैर में सामान्य चोटें आई हैं। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

शराब दुकान के पास आरक्षक व उसके साथी के साथ मारपीट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।
स्कार्पियो वाहन में सवार होकर शराब दुकान पहुंचे युवकों द्वारा आरक्षक के साथ विवाद करते हुये मारपीट और जैक के रॉड से हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस अफसर मेस में कार्यरत अजय कुमार एक्का 5 जून को रात करीब 9.50 बजे ड्यूटी के बाद घर में आये मेहमान के लिए शराब लेने अपने साथी शिव टोप्पो के साथ गाड़ाघाट में स्थित अंग्रेजी शराब दुकान गया था।
शराब दुकान के सामने अंचल अग्रवाल एवं अन्य लोग आपस में विवाद कर रहे थे, इस दौरान वह शराब लेकर वापस आने के लिये निकला। अंचल अग्रवाल और उसके साथी आरक्षक और उसके साथी को देखकर कहने लगे, यही लोग हम लोगों से विवाद कर रहे थे। इसके बाद वे गालीगलौज करते हुये जान से मारने की धमकी देकर हाथ-मुक्का से मारपीट करने लगे। अंचल अग्रवाल अपने स्कार्पियो वाहन से जैक का रॉड निकाल कर आरक्षक अजय कुमार एक्का के ऊपर वार किया, जिससे बचने के लिए वह एक ओर झुक गया। इसके बाद भी स्कार्पियो सवार इनसे मारपीट करने पर उतारू थे। दोनों किसी तरह मौके से भागे और घटना की रिपोर्ट कोतवाली थाना में दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है।

महिला के घर से 50 हजार रुपए चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।
ग्राम रूखपुर घंघरी में 4 जून को दिन दहाड़े महिला के घर में घुसकर अज्ञात चोरों ने 50 हजार रुपए पार कर दिए। इस दौरान महिला घर में बिना ताला बंद किए बगल में मवेशी को पानी पीलाने गई थी। महिला ने अज्ञात के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार साक्षी पैकरा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रूखपुर घंघरी की रहने वाली है। 4 जून की सुबह 7 बजे इसका पति देवमुनी पैकरा सब्जी बेचने अंबिकापुर गया था। घर में महिला बच्चों के साथ थी। शाम करीब 5 बजे घर का दरवाजा बंद कर बिना ताला लगाए बगल में मवेशी को पानी पीलाने गई थी।

गाड़ी तेज रफ्तार में चलाने की बात पर युवकों से मारपीट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।
दोस्त के जन्मदिन से वापस लौट रहे बाइक सवारों से गाड़ी बहुत आवाज कर रहा है, कहते हुए जमकर मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ितों को परिजन ने एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इनका उपचार चिकित्सकों ने किया। गांधीनगर थाना क्षेत्र में अजिरमा रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले दुकान संचालक राजकुमार सिंह ने पुलिस को बताया है कि, 5 जून को शाम करीब 7 बजे उनका लड़का आयुश पावले, नारायण मरावी बाइक से ग्राम कोल्डिहा अपने दोस्त अंश पावले का जन्मदिन मनाने के लिए गये थे। जन्मदिन मनाकर लड़का आयुश, नारायण को छोड़ने के लिए अंश पावले भी घर आ रहा था। रात्रि करीब 10 बजे के लगभग ग्राम कोल्डिहा के यादव मोहल्ला के पास रमेश यादव के पिता एवं अन्य आयुश पावले को बोले कि तुम गाड़ी बहुत तेज चला रहे हो, तुम्हारा गाड़ी बहुत अवाज कर रहा है। इसी बात को लेकर तीनों के साथ सभी गाली-गलौज करते हुये जान से मारने की धमकी देकर हाथ-मुक्का, डण्डा,दूध के बड़े बाल्टी से मारपीट करने लगे।

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

मैं नसीरुद्दीन अंसारी सुपुत्र मुमताज अंसारी, निवासी- इमलीपारा, अंबिकापुर, थाना व तहसील अंबिकापुर, जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्री का नाम तयबार पातेमा (Taiybar Patema), जन्म तिथि-02.06.2015 तथा पिता का नाम नसरूद्दील अंसारी (Nasruddil Ansari) है, जिसे बदल कर तय्यबा फातिमा (TAIYEBA FATIMA) पिता का नाम - नसरूद्दीन अंसारी (Nasiruddin Ansari), एवं जन्म तिथि - 17.06.2015 (नया नाम) रख लिया है ।

पालक
नसीरुद्दीन अंसारी

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

मै ललित कुमार (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री कुबेरलाल साय गाँव/शहर पतराटोली पो0 शंकरगढ़ ,तहसील शंकरगढ़ जिला -बलरामपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम खुशभू पैकरा (पुराना नाम) से बदल कर ख्याति पैकरा (नया नाम) रख लिया है।

पालक
ललित कुमार
पतराटोली,तहसील शंकरगढ़
जिला -बलरामपुर,छत्तीसगढ

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

मै अकलेश्वर (पुराना नाम, जिससे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी मीनू सिंह गाँव/शहर स्कूल पारा बकना पो0 बटईकेला तहसील-बतौली जिला -सरगुजा छ0ग0 ने अपना नाम अकलेश्वर (पुराना नाम) से बदल कर अखलेश सिंह (नया नाम) रख लिया है।

आवेदक
अकलेश्वर
बकना,पो0बटईकेला,बतौली
जिला -सरगुजा,छत्तीसगढ

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छत्तीसगढ)

क्रमांक/2207/वाचक-2/2026
सूरजपुर,दिनांक- 05/06/2026

ईश्तहार

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम/नगर राजापुर पा0ह0नं0.... तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक ज्ञान प्रसाद राजवाड़े पिता स्व0 शिव प्रसाद राजवाड़े जाति रजवार निवासी ग्राम राजापुर पोस्ट जयनगर थाना जयनगर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर ,छ0ग0 नें अपने नानी स्व0 बुधीयारो पति स्व0 दया राम की मृत्यु तिथि 27/02/2018 मृत्यु स्थान राजापुर के जन्म/मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति / आक्षेप हो तो वे स्वय अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 22/06/2026 दिन सोमवार को उपस्थित होकर दावा आपत्ति / आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — **तहसीलदार सूरजपुर**

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका समीमा बेगम आ0/पति कलीमुल्ला कुरैशी जाति कसाब, निवासी मायापुर,अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-मायापुर, शीट नम्बर - 3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1585/2,1583/2,1584 रकबा 0.07, 0.10,0.27 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17.06.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक 04.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — **नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर**

CMYK

यक्षिणी की गूंज या पद की प्रतिध्वनि? उपन्यास,प्रचार और प्रशंसा के बीच उठते सवाल...

किताब से ज्यादा चर्चा खरीदारों की! यक्षिणी के बहाने साहित्य और सत्ता पर बहस

यक्षिणी की उड़ान या प्रशासनिक प्रचार? कोरिया में किताब से ज्यादा तस्वीरों की चर्चा

पुस्तक समीक्षा एक,खरीदार अनेक! यक्षिणी की लोकप्रियता पर उठ रहे सवाल

कलम की ताकत या कुर्सी का प्रभाव? यक्षिणी को लेकर कोरिया में छिड़ी नई बहस

यक्षिणी की गूंज साहित्य जगत तक पहुंचेगी या नहीं? कोरिया से उठे सवाल,जवाब तलाशते पाठक

जब सीईओ बने उपन्यासकार प्रशंसा,प्रचार और पाठकों के बीच फंसी यक्षिणी

किताब पढ़ी कम, दिखाई ज्यादा गई? यक्षिणी की बिक्री और समीक्षा पर सवाल

साहित्य की सफलता या पद की लोकप्रियता? यक्षिणी को लेकर सोशल मीडिया में मचा शोर

-रवि सिंह-

कोरिया,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

साहित्य की दुनिया में किसी लेखक की सबसे बड़ी ताकत उसकी कलम होती है और किसी प्रशासनिक अधिकारी की सबसे बड़ी ताकत उसका पद, लेकिन जब कलम और पद दोनों एक ही व्यक्ति के हाथ में हों, तब प्रशंसा और आलोचना दोनों का दायरा बढ़ जाता है, इन दिनों कोरिया जिले में कुछ ऐसा ही माहौल दिखाई दे रहा है, जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी द्वारा लिखित उपन्यास यक्षिणी-मैकल की अनुगूंज साहित्यिक हलकों से ज्यादा प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है, पुस्तक के प्रकाशन के बाद जिस तरह का माहौल निर्मित हुआ है,उसने साहित्य,सत्ता,प्रशंसा और प्रचार के बीच एक नई बहस को जन्म दे दिया है,सवाल किसी किताब के लिखे जाने पर नहीं है,सवाल किसी लेखक की प्रतिभा पर भी नहीं है,सवाल यह भी नहीं है कि कोई अधिकारी साहित्य सृजन क्यों कर रहा है,सवाल उस पूरे माहौल पर है जिसमें एक पुस्तक की चर्चा हो रही है और जिस तरह से उसकी बिक्री, प्रचार और प्रशंसा दिखाई दे रही है,वह कई लोगों को सोचने पर मजबूर कर रही है।

तीन साल का कार्यकाल और एक उपन्यास का जन्म

डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से कोरिया जिले में जिला पंचायत सीईओ के रूप में पदस्थ हैं, इसी अवधि के दौरान उन्होंने अपना उपन्यास **यक्षिणी मैकल की अनुगूंज** लिखा,पुस्तक प्रकाशित हुई,बाजार में आई,ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हुई और देखते ही देखते जिले में चर्चा का विषय बन गई, पुस्तक की विषयवस्तु मैकल पर्वत श्रृंखलाओं,अमरकंटक,वनांचल,लोककथाओं,इतिहास और कल्पना के संसार से जुड़ी हुई है,साहित्यिक दृष्टि से यह एक महत्वाकांक्षी प्रयास माना जा सकता है, पुस्तक की समीक्षा भी सामने आई, जिसमें इसकी भाषा, कथानक और सांस्कृतिक प्रस्तुति की सराहना की गई, लेकिन यहीं से दूसरा अध्याय शुरू होता है, जो पुस्तक के भीतर नहीं बल्कि पुस्तक के बाहर लिखा जा रहा है।

समीक्षा आई,लेकिन सिर्फ एक ही क्यों...

पुस्तक के प्रकाशन के बाद सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोगों द्वारा पुस्तक खरीदने की तस्वीरें साझा की गईं,कई कर्मचारियों,अधिकारियों और परिचितों ने पुस्तक हाथ में लेकर फोटो डालीं और लेखक को बधाई दी, लेकिन आश्चर्य की बात यह रही कि पुस्तक की वास्तविक समीक्षा लगभग दिखाई नहीं दी,अब तक जो सबसे चर्चित समीक्षा सामने आई, वह जिला पंचायत में ही पदस्थ कर्मचारी रूद्र मिश्रा द्वारा लिखी गई, उन्होंने पुस्तक का विस्तृत अध्ययन कर उसकी साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डाला, समीक्षा प्रभावशाली थी और पुस्तक के पक्ष में मजबूत टिप्पणी भी थी,लेकिन आलोचकों का सवाल यह है कि यदि पुस्तक इतनी प्रभावशाली है तो फिर उसे पढ़ने वाले अन्य लोगों की समीक्षाएं कहां हैं? क्या पुस्तक खरीदने वाले पाठकों ने वास्तव में उसे पढ़ा है? क्या साहित्यिक चर्चा की जगह केवल पुस्तक खरीदने की सूचना देना ही उद्देश्य बन गया है? यही वे प्रश्न हैं जो सोशल मीडिया और साहित्यिक हलकों में तैर रहे हैं।

किताब ज्यादा बिकी या तस्वीरें ज्यादा पोस्ट हुईं?

कोरिया जिले में इन दिनों सोशल मीडिया खोलिए तो कई जगह पुस्तक के साथ तस्वीरें दिखाई देती हैं, कोई अधिकारी पुस्तक खरीद रहा है,कोई कर्मचारी उसे हाथ में लेकर फोटो डाल रहा है, कोई लेखक के साथ तस्वीर साझा कर रहा है,लेकिन जब बात पुस्तक की विषयवस्तु,पात्रों,कथानक,भाषा या साहित्यिक गुणवत्ता की आती है तो चर्चा अचानक शांत हो जाती है,यहीं आलोचना शुरू होती है,लोग सवाल उठा रहे हैं कि कहीं ऐसा तो नहीं कि पुस्तक को पढ़ने से ज्यादा उसे खरीदकर दिखाने की होड़ लगी हुई है? कुछ लोग इसे लेखक के प्रति सम्मान बता रहे हैं तो कुछ इसे गुड बुक्स में आने की कोशिश मान रहे हैं,हालांकि इसका कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है,लेकिन चर्चा का बाजार गर्म है।

साहित्य का सम्मान या पद का प्रभाव?

यह वह सवाल है जिससे सबसे ज्यादा असहजता पैदा होती है,यदि यही उपन्यास किसी साधारण लेखक ने लिखा होता तो क्या इतनी ही तेजी से उसकी प्रतियां बिकतीं? क्या इतनी ही संख्या में लोग सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करते? क्या इतना ही प्रचार स्वतः निर्मित होता? इन प्रश्नों का उत्तर किसी के पास नहीं है,लेकिन प्रश्न मौजूद हैं, क्योंकि लेखक केवल लेखक नहीं हैं। वह जिले के सबसे प्रभावशाली प्रशासनिक अधिकारियों में से एक भी हैं,यहीं से साहित्य और सत्ता के बीच की रेखा धुंधली होती दिखाई देती है।

किताब को चाहिए पाठक,सिर्फ खरीदार नहीं...

यक्षिणी- मैकल की अनुगूंज के संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि पुस्तक को पाठक चाहिए, सिर्फ खरीदार नहीं,किसी भी पुस्तक की सफलता उसकी बिक्री से नहीं, उसके प्रभाव से मापी जाती है,वह कितने लोगों को सोचने पर मजबूर करती है,कितने पाठकों के मन में जगह बनाती है और कितने आलोचकों को बहस के लिए प्रेरित करती है,यही उसकी असली कसौटी होती है,आज यदि पुस्तक चर्चा में है तो यह लेखक की उपलब्धि है,लेकिन यदि चर्चा केवल खरीद तक सीमित रह जाए और पढ़ने तथा समीक्षा तक न पहुंचे तो यह साहित्य के लिए चिंता का विषय भी हो सकता है।

कोरिया की साहित्यिक परंपरा नई नहीं है...

यह भी सच है कि कोरिया जिला साहित्य के क्षेत्र में हमेशा से समृद्ध रहा है,यहां कवि, कहानीकार,उपन्यासकार और गजलकार लंबे समय से सक्रिय रहे हैं,जिले ने अनेक साहित्यकार दिए हैं जिनकी रचनाएं प्रदेश और देश स्तर तक पहुंची हैं,संजय अलंग, नेसार नाज सहित कई नाम ऐसे हैं जिन्होंने साहित्य में अपनी पहचान बनाई,इससे पहले भी प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोग लेखन करते रहे हैं,इसलिए किसी अधिकारी का लेखक होना कोई नई बात नहीं है,लेकिन पहली बार ऐसा दिखाई दे रहा है कि किसी पुस्तक के इर्द-गिर्द प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर इतना बड़ा वातावरण निर्मित हुआ हो।

प्रकाशक की रणनीति पर भी सवाल...

पुस्तक का प्रकाशन भिलाई स्थित सरस्वती बुक्स द्वारा किया गया है,किसी भी प्रकाशक का उद्देश्य अधिकतम बिक्री और अधिकतम पाठकों तक पहुंचना होता है,लेकिन आलोचकों का कहना है कि यदि पुस्तक वास्तव में महत्वपूर्ण साहित्यिक कृति है तो उसका प्रचार केवल कोरिया जिले तक सीमित क्यों दिखाई दे रहा है? क्यों नहीं प्रदेश के विश्वविद्यालयों,पुस्तक मेलों,साहित्यिक मंचों और पुस्तक प्रेमियों तक इसे व्यवस्थित रूप से पहुंचाया जा रहा? क्यों नहीं बड़े साहित्यिक समीक्षकों से इसकी समीक्षा कराई जा रही? क्यों नहीं स्वतंत्र आलोचक इसकी साहित्यिक गुणवत्ता का मूल्यांकन कर रहे? क्योंकि साहित्य की असली परीक्षा वहीं होती है।

जब लेखक अधिकारी भी हो...

किसी लेखक के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं होती कि उसके अधीनस्थ लोग उसकी पुस्तक खरीद लें,सबसे बड़ी उपलब्धि यह होती है कि जिन लोगों से उसका कोई परिचय नहीं है,वे भी उसकी पुस्तक पढ़ें और उस पर चर्चा करें,किसी अधिकारी के लिए पद अस्थायी होता है लेकिन लेखक की पहचान स्थायी होती है,आज जो लोग पुस्तक खरीद रहे हैं,उनमें से कितने लोग पांच साल बाद भी उस पुस्तक को याद रखेंगे, यह साहित्य तय करेगा,प्रशासन नहीं,यही कारण है कि साहित्य जगत में हमेशा कहा जाता है कि लेखक को प्रशंसकों से ज्यादा आलोचकों की जरूरत होती है।

अंत में यक्ष प्रश्न

डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने एक उपन्यास लिखा है,यह स्वागतयोग्य है,एक प्रशासनिक अधिकारी का साहित्य सृजन करना निश्चित रूप से सकारात्मक पहलू है,लेकिन जिस प्रकार पुस्तक को लेकर माहौल बन रहा है,वह अपने साथ कुछ स्वाभाविक प्रश्न भी लेकर आया है, क्या पुस्तक की लोकप्रियता उसकी साहित्यिक गुणवत्ता के कारण है या लेखक के पद की वजह से? क्या पुस्तक को वास्तव में पढ़ा जा रहा है या केवल खरीदा जा रहा है? क्या इसकी चर्चा साहित्यिक विमर्श के रूप में हो रही है या प्रशासनिक प्रभाव के दायरे में? और सबसे बड़ा प्रश्न यह कि क्या यक्षिणी-मैकल की अनुगूंज की गूंज वास्तव में मैकल पर्वतों से निकलकर साहित्य जगत तक पहुंचेगी,या फिर फिलहाल उसकी सबसे मजबूत प्रतिध्वनि कोरिया जिले के प्रशासनिक गलियारों तक ही सीमित रहेगी? इन सवालों का जवाब समय देगा, पाठक देंगे और सबसे बढ़कर स्वयं वह पुस्तक देगी,क्योंकि अंततः किसी भी लेखक का अंतिम मूल्यांकन उसकी कुर्सी नहीं,उसकी कृति करती है।

भाजपा सूरजपुर शहर मंडल की कामकाजी बैठक संपन्न,संगठन मजबूत करने पर जोर

-संवाददाता-

सूरजपुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी सूरजपुर शहर मंडल की कामकाजी बैठक जिला भाजपा कार्यालय अटलकुंज में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच संपन्न हुई,बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, जनसंपर्क अभियानों तथा 23 जून तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई,साथ ही सभी कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्णय लिया गया।

कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत : राजेश महलवाला

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व जिला महामंत्री राजेश महलवाला ने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ता होते हैं, उन्होंने प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाने, घर-घर संपर्क अभियान चलाने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती ही चुनावी सफलता की आधारशिला है।

जनता तक पहुंचें सरकार की उपलब्धियां : शशिकांत गर्ग

जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग ने कहा कि आगामी कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि जनता के बीच संगठन की विचारधारा और सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं,उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से योजनाबद्ध तरीके से कार्यक्रम आयोजित करने तथा नए कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने का आग्रह किया।

सेवा और जनसंपर्क से मजबूत होगा संगठन

जिला महामंत्री किसान मोर्चा अजय अग्रवाल 'अज्जू' ने कहा कि संगठन द्वारा दिए गए दायित्वों का ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है, उन्होंने किसानों, युवाओं एवं आम नागरिकों के बीच निरंतर संवाद बनाए रखने तथा सेवा कार्यों के माध्यम से संगठन को और अधिक मजबूत करने पर बल दिया।

दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ शुभारंभ

बैठक का शुभारंभ भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया, मंडल अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया,कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री नीरज जिंदिया बंटी ने किया,जबकि आभार प्रदर्शन मंडल उपाध्यक्ष प्रमोद तायल ने किया।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे उपस्थित

बैठक में मंडल उपाध्यक्ष शिवशंकर साहू, सरोज साहू,असरफ एराकी,मंडल मंत्री कौशिल्या सिंह, हिमांशु जैन,अजय सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप सोनी 'बल्लु',किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद प्यारेलाल साहू,पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अध्यक्ष भोला शंकर साहू,मीडिया प्रभारी बजरंग राजवाड़े,देवमुनिया साहू,ज्योति देवांगन,अनीता गुप्ता,पूर्व पार्षद धनसाय सिंह,सत्यनारायण गुप्ता, भूपेंद्र राजवाड़े,जीतेन्द्र शर्मा,संदीप जायसवाल, शेखर साहा,धरम सोनी,उगेन्द्र राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे, बैठक में मंडल पदाधिकारियों, मोर्चा प्रभारियों, पार्षदों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आगामी गतिविधियों को सफल बनाने और संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

रेल की पटरी से कलेक्ट्रेट तक गूंजा किसानों का आक्रोश

जमीन, खाद और हक की लड़ाई में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

प्रेमनगर में रेल रोको,सूरजपुर में कलेक्ट्रेट घेराव,अडाणी को भूमि हस्तांतरण,खाद कटौती,बिजली दर वृद्धि समेत 21 मांगों पर सरकार को घेरा

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 जून 2026
(घटती-घटना)।

सोमवार का दिन सूरजपुर जिले में किसानों,ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए आंदोलन का दिन रहा, एक ओर प्रेमनगर क्षेत्र में हजारों ग्रामीणों ने रेलवे ट्रैक पर बैठकर रेल रोको आंदोलन किया तो दूसरी ओर जिला मुख्यालय सूरजपुर में किसान कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट का घेराव कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा,दोनों आंदोलनों का केंद्र बिंदु एक ही था–जल, जंगल,जमीन और किसानों के अधिकारों की रक्षा,कांग्रेस संगठन और किसान कांग्रेस के नेतृत्व में हुए इन आंदोलनों ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि ग्रामीण अंचलों में भूमि,रोजगार,मुआवजा,खाद,बिजली और सिंचाई जैसी मूलभूत समस्याएं अब राजनीतिक बहस से आगे बढ़कर जन आंदोलन का रूप लेती जा रही हैं।

प्रेमनगर में अडाणी को भूमि हस्तांतरण के विरोध में रेल रोको आंदोलन-

प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सलका स्थित एल-सी-10 रेलवे फाटक पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में प्रभावित छह ग्राम पंचायतों–सलका,नमना,रघुनाथपुर,मुड़गांव,नारायणपुर और कठमुड़ा–के हजारों ग्रामीण एकत्रित हुए,ग्रामीणों का आरोप है कि इफको पावर प्लांट के लिए पूर्व में अधिग्रहित की गई भूमि को अब अडाणी समूह को सौंपे जाने की प्रक्रिया चल रही है,इस निर्णय का विरोध करते हुए ग्रामीण रेलवे ट्रैक पर बैठ गए और रेल रोको आंदोलन किया,प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते हुए ग्रामीणों ने कहा कि जिन किसानों ने विकास और उद्योग के नाम पर अपनी जमीनें गंवाई थीं,उनकी जमीनें किसी अन्य निजी कंपनी को हस्तांतरित नहीं की जानी चाहिए,ग्रामीणों ने इसे किसानों और आदिवासियों के अधिकारों के साथ अन्याय बताया।

कांग्रेस ने किसानों और ग्रामीणों के मुद्दों को बनाया आंदोलन का आधार

दोनों आंदोलनों में कांग्रेस और किसान कांग्रेस के प्रदेश,जिला एवं ब्लॉक स्तर के नेताओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली,प्रेमनगर में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में हजारों ग्रामीण शामिल हुए, वहीं सूरजपुर में किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेश तिवारी, प्रदेश महासचिव जसवंत सिंह,बृजेश मिश्रा,दीपक मानिकपुरी,दिलीप सोनी,जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष सचिंद्र पाठक,कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

15 दिनों का अल्टीमेटम,नहीं मानी मांगें तो अनिश्चितकालीन आंदोलन

आंदोलन के दौरान तहसीलदार को राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया,ग्रामीणों और कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन को 15 दिनों का समय देते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो क्षेत्र में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा,ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में भूमि वापसी, परसा कोल ब्लॉक प्रभावितों को लंबित मुआवजा भुगतान, ग्राम सभाओं को वन कटाई राशि का 30 प्रतिशत हिस्सा,स्थानीय युवाओं को रोजगार,सड़क निर्माण,ओवरब्रिज निर्माण, हैंडपंप स्थापना और लिफ्ट इरिगेशन योजना लागू करना शामिल है।

सूरजपुर कलेक्ट्रेट में किसान कांग्रेस का प्रदर्शन

उधर जिला मुख्यालय सूरजपुर में छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस के प्रदेशव्यापी कार्यक्रम के तहत किसान कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट का घेराव कर मुख्यमंत्री के नाम 12 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा,किसान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि खेती-किसानी पहले ही बढ़ती लागत और प्राकृतिक चुनौतियों से जूझ रही है,ऐसे समय में खाद वितरण में कटौती और नई व्यवस्थाएं किसानों की परेशानी बढ़ा रही हैं,ज्ञापन में प्रति एकड़ खाद कटौती का आदेश वापस लेने,तीन चरणों में खाद वितरण की व्यवस्था समाप्त करने,डीजल-पेट्रोल की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने, जरकिन में तेल लेने पर लगी रोक हटाने, बिजली दर वृद्धि वापस लेने तथा किसानों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने की मांग की गई।

खाद,बिजली और ऋण पर सरकार को घेरा

किसान कांग्रेस ने खाद की कालाबाजारी पर तत्काल रोक लगाने और पूरे प्रदेश में एक समान दर लागू करने की मांग उठाई, साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण सीमा बढ़ाकर प्रति एकड़ 40 हजार रुपये करने की मांग भी रखी गई, किसानों ने कृषि उपज का भुगतान एकमुश्त करने,कृषि विभाग की योजनाओं में पारदर्शिता लाने तथा लंबित अनुदान राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की, किसान नेताओं का कहना था कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि किसानों को मिलने वाली सुविधाएं और संसाधन सीमित होते जा रहे हैं, यदि सरकार ने समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए तो कृषि क्षेत्र में संकट और गहरा सकता है।

सूरजपुर से उठी दोहरी हुंकार

सोमवार को सूरजपुर जिले में हुए ये दोनों आंदोलन केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं रहे, बल्कि ग्रामीण और किसान समाज की उन समस्याओं को सामने लेकर आए जो लंबे समय से समाधान की प्रतीक्षा कर रही हैं, एक ओर जमीन और विस्थापन का सवाल है,तो दूसरी ओर खाद, बिजली, सिंचाई और कृषि ऋण जैसी बुनियादी जरूरतों का मुद्दा,रेलवे ट्रैक से लेकर कलेक्ट्रेट परिसर तक गूंजे नारों ने साफ संकेत दिया है कि यदि किसानों और ग्रामीणों की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में यह आंदोलन और व्यापक स्वरूप ले सकता है, फिलहाल सूरजपुर जिले से उठी यह आवाज प्रदेश की राजनीति और प्रशासन दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश बनकर सामने आई है।

सड़क बन रही थी विकास की...मौत बनकर पहुंच गया हाथी...

आधी रात के हमले में दो मजदूरों की दर्दनाक मौत

गहरी नींद में सो रहे श्रमिकों पर लोनर हाथी का हमला, एक की मौके पर मौत, दूसरे ने अस्पताल जाते समय तोड़ा दम

-संवाददाता-
कोरिया,08 जून 2026
(घटती-घटना)।

गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व क्षेत्र में रविवार की आधी रात ऐसा दर्दनाक मंजर सामने आया जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया, जिस सड़क को विकास की नई राह माना जा रहा है, उसी सड़क निर्माण शिविर में काम कर रहे दो मजदूरों की जिंदगी एक बेकाबू लोनर हाथी ने पलभर में छीन ली। दिनभर कड़ी मेहनत के बाद गहरी नींद में सोए मजदूरों को शायद अंदाजा भी नहीं था कि रात उनके लिए आखिरी रात साबित होगी। कटवार (रामगढ़) से कोटाडोल तक लगभग 46 करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है, निर्माण स्थल पर दर्जनों मजदूर अस्थायी शिविर में रहकर काम कर रहे थे, रविवार की रात भी मजदूर रोज की तरह भोजन करने के बाद आराम कर रहे थे,चारों ओर सन्नाटा था,लेकिन जंगल की खामोशी में एक ऐसा खतरा छिपा था जिसने कुछ ही देर में पूरे शिविर को चीख-पुकार से भर दिया।

जानकारी के अनुसार कमर्जी परिक्षेत्र के अंतर्गत देवशील के आगे स्थित बस्ती के समीप अचानक एक लोनर हाथी निर्माण शिविर में पहुंच गया, प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हाथी सीधे उस स्थान की ओर बढ़ा जहां मजदूर सो रहे थे,कुछ लोगों को संभलने का मौका मिला, लेकिन दो मजदूर उसकी चपेट में आ गए। हाथी ने उन्हें बुरी तरह कुचल दिया। हमले में ग्राम नगर, जिला कोरिया निवासी 22 वर्षीय गौरव पिता पूरन और 35 वर्षीय अमर सिंह पिता जयकरण गंभीर रूप से घायल हो गए, शिविर में मौजूद अन्य मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए अंधेरे में इधर-उधर भागने लगे। कुछ मजदूरों ने शोर मचाकर हाथी को भगाने का प्रयास किया,लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

एक ने मौके पर तोड़ा दम,दूसरा अस्पताल पहुंचने से पहले हार गया जिंदगी की जंग

हाथी के हमले में गौरव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई,वहीं गंभीर रूप से घायल अमर सिंह को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत ले जाया गया,वन विभाग की टीम और स्थानीय लोगों ने घायल को बचाने की हर संभव कोशिश की,लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही अमर सिंह ने रास्ते में दम तोड़ दिया, इस तरह एक ही रात में दो परिवारों के घरों के चिराग बुझ गए, सोमवार को दोनों शवों का पोस्टमार्टम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में कराया गया और बाद में शव परिजनों को सौंप दिए गए।

वन विभाग ने चलाया रेस्क्यू अभियान

घटना की सूचना मिलते ही गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व और वनमंडल का मैदानी अमला मौके पर पहुंच गया,अधिकारियों के अनुसार वन विभाग की टीम पिछले एक दिन से उक्त लोनर हाथी की लगातार ट्रैकिंग कर रही थी,घटना की रात भी क्षेत्र में हाथी की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही थी, हमले की जानकारी मिलते ही वन विभाग का दल तत्काल निर्माण शिविर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया, विभागीय पेट्रोलिंग वाहन के माध्यम से घायल मजदूर को अस्पताल पहुंचाया गया,लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी,वन विभाग ने जनहानि मुआवजा प्रकरण तैयार करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

15 किलोमीटर दूर पहुंचा हाथी,अलर्ट पर वन अमला

घटना के बाद भी हाथी क्षेत्र में विचरण करता रहा,वन विभाग के अनुसार सोमवार को उक्त लोनर हाथी घटनास्थल से लगभग 15 किलोमीटर दूर जनकपुर परिक्षेत्र में देखा गया,वन अधिकारियों का अनुमान है कि हाथी अब मध्यप्रदेश की सीमा की ओर बढ़ सकता है,इसके बावजूद पूरे क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया गया है और ग्रामीणों को जंगल किनारे जाने तथा रात के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

परिजनों पर टूटा दुखों का पहाड़

गौरव और अमर सिंह दोनों ही अपने परिवारों के सहारा थे। रोजी-रोटी कमाने के लिए घर से दूर निर्माण कार्य में लगे इन मजदूरों के परिजनों ने कभी नहीं सोचा होगा कि मेहनत-मजदूरी करने गए उनके अपने वापस कभी घर नहीं लौटेंगे,एक ओर जहां परिवारों में मातम पसरा हुआ है,वहीं पूरे क्षेत्र में घटना को लेकर शोक की लहर है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

यह घटना केवल एक वन्यजीव हमले की घटना नहीं है, बल्कि वन क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है, जिस इलाके में हाथियों की नियमित आवाजाही रहती है, वहां निर्माण कार्य में लगे मजदूरों की सुरक्षा के लिए क्या पर्याप्त इंतजाम किए गए थे? क्या हाथी की गतिविधियों की सूचना मजदूरों तक समय पर पहुंचाई गई थी? क्या रात्रिकालीन सुरक्षा के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और निगरानी तंत्र मौजूद था? इन सवालों के जवाब तलाशना अब जरूरी हो गया है क्योंकि जंगलों से लगे इलाकों में सड़क, खदान और अन्य परियोजनाओं में सैकड़ों मजदूर काम करते हैं और उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

तत्काल मुआवजा और सुरक्षा व्यवस्था की मांग

कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है,उन्होंने मृतक मजदूरों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए शासन और वन विभाग से दोनों परिवारों को नियमानुसार तत्काल मुआवजा राशि उपलब्ध कराने की मांग की है,उन्होंने कहा कि परिवार के कमाऊ सदस्यों की असमय मृत्यु ने परिजनों को गहरे संकट में डाल दिया है,इसलिए प्रशासन को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए त्वरित आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए,साथ ही वन्यजीव प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा के लिए स्थायी और प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व क्षेत्र में यह घटना एक बार फिर उस जटिल चुनौती को सामने लेकर आई है जहां विकास परियोजनाएं और वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास आमने-सामने दिखाई देते हैं,सड़कें बन रही हैं, परियोजनाएं आगे बढ़ रही हैं,लेकिन जंगलों के पुराने रास्तों पर आज भी हाथियों का अधिकार कायम है,दुर्भाग्य यह है कि इस संघर्ष की सबसे बड़ी कीमत अक्सर वे मजदूर चुकाते हैं जो केवल अपने परिवार का पेट पालने के लिए जंगलों के बीच काम करने पहुंचते हैं,रविवार की रात भी ऐसा ही हुआ,जब विकास की राह बनाने निकले दो मजदूर खुद जिंदगी की राह से हमेशा के लिए दूर चले गए।

CMYK

कम बजट फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल

साल2025 हिंदी सिनेमा के लिए कई मायनों में बेहद खास और यादगार साबित हुआ। इस साल बड़े बजट की कई फिल्मों ने सिनेमाघरों में दस्तक दी और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। जहां एक तरफ बड़े सितारों की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत रखी, वहीं दूसरी ओर कम बजट की कुछ फिल्मों ने भी उम्मीद से कहीं ज्यादा शानदार प्रदर्शन कर सबको चौंका दिया। यही वजह रही कि 2025 को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे सफल वर्षों में गिना जाने लगा। इस साल की शुरुआत ही धमाकेदार रही। पहले कुछ ही महीनों में

रिलीज हुई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की और सिनेमाघरों में दर्शकों की भारी भीड़ देखने को मिली। खास बात यह रही कि एक फिल्म ने रिलीज के दूसरे ही महीने में ऐसी कमाई की कि उसने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस फिल्म की सफलता ने पूरे साल के लिए माहौल बना दिया और इंडस्ट्री को एक नई ऊर्जा दी। 2025 में बड़े बजट की फिल्मों के साथ-साथ कंटेंट-ड्रिवन फिल्मों का भी खास प्रभाव देखने को मिला। दर्शकों ने अब केवल स्टार पावर के आधार पर फिल्में देखने की बजाय कहानी और कंटेंट को ज्यादा महत्व देना शुरू कर दिया है। यही कारण है कि कई ऐसी फिल्में, जिनका बजट अपेक्षाकृत कम था, उन्होंने भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और लंबी दौड़ में बड़ी फिल्मों को टक्कर दी। इस साल कुछ फिल्मों ने तो इतनी शानदार कमाई की कि उन्होंने न केवल घरेलू बाजार में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान मजबूत की। ओवरसीज मार्केट में हिंदी फिल्मों की बढ़ती लोकप्रियता ने यह साबित किया कि भारतीय सिनेमा अब वैश्विक स्तर पर अपनी जगह बना चुका है। 2025 में यह भी देखा गया कि दर्शक सिनेमाघरों में सिर्फ मनोरंजन ही नहीं,बल्कि नए अनुभव की तलाश में भी पहुंचे। एक्शन, ड्रामा, बायोपिक और सोशल मैसेज वाली फिल्मों ने लोगों को काफी प्रभावित किया। कई फिल्मों की कहानी ने समाज से जुड़े मुद्दों को उठाया,जिससे दर्शकों के बीच उनकी चर्चा लंबे समय तक बनी रही। साल के अंत तक भी बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों का जादू कायम रहा। लगातार हिट फिल्मों की वजह से पूरे साल इंडस्ट्री में उत्साह का माहौल बना रहा। फिल्म निर्माताओं और कलाकारों के लिए यह साल एक सकारात्मक संकेत लेकर आया कि अगर कंटेंट मजबूत हो, तो किसी भी बजट की फिल्म सफलता हासिल कर सकती है। कुल मिलाकर, 2025 हिंदी सिनेमा के लिए एक शानदार और ऐतिहासिक वर्ष साबित हुआ। इस साल ने यह साबित कर दिया कि भारतीय दर्शक अब अधिक जागरूक हो चुके हैं और वे अच्छी कहानियों को भरपूर समर्थन देते हैं। बड़े बजट की फिल्मों के साथ-साथ कम बजट की सफल फिल्मों ने यह दिखाया कि बॉक्स ऑफिस पर अब किसी एक फार्मूले का दबदबा नहीं है,बल्कि विविधता और गुणवत्ता ही असली सफलता की कुंजी है।

70 के दशक की हीरोइन जिसके नाम से ऋषि कपूर को चिढ़ाते थे अमिताभ बच्चन,16 की उम्र में शादी कर छोड़ दी थी एक्टिंग

70 के दशक के दौर में रईस परिवार की लाडली की एंट्री होती है। देखते ही देखते वह स्टार बन गईं। लग्जरी लाइफस्टाइल देख ऋषि कपूर और अमिताभ बच्चन भी हैरान रह गए थे। 14 की उम्र में पहली फिल्म,16 की उम्र में सुपरस्टार से शादी-बच्चे और फिर सिनेमा से नदारद...70 के दशक की वो अदाकारा जिन्हें डेब्यू करते ही स्टारडम मिल गया था। इस अदाकारा के चर्चे फिल्मी गलियारों में उनकी ईसी के लिए खूब होते थे। उनकी ईसी देख अमिताभ बच्चन भी हैरान रह गए थे। हम बात कर रहे हैं डिंपल कपाडिया की। वह 14 साल की थीं, जब उन्हें राज कपूर की फिल्म बॉबी मिली। इस फिल्म में उन्होंने राज कपूर के बेटे ऋषि कपूर के साथ डेब्यू किया था,जो एक्टर की भी बतौर लीड पहली फिल्म थी।

महंगी गाड़ियों में सेट पर आती थीं हीरोइन

कहा जाता है कि फिल्म बॉबी के दौरान कपूर परिवार की हलत थोड़ी खस्ता थी। राज कपूर मेरा नाम जोकर के बाद कर्ज में थे और बॉबी उन्होंने अपना कर्ज चुकाने के लिए बनाई थी। उस वक्त ऋषि के पास एक टूटी-फूटी फिएट कार थी और वह इसी कार से बॉबी के सेट पर आते थे। दूसरी तरफ डिंपल कपाडिया हाई-फाई गाड़ियों में आया करती थीं।

ऋषि कपूर को चिढ़ाते थे अमिताभ

बॉबी की शूटिंग के दौरान अमिताभ बच्चन भी अपनी फिल्म बॉम्बे टू गोवा की शूटिंग कर रहे थे। एक बार ऋषि ने द मूवी मोथ को दिए इंटरव्यू में बताया था कि अमिताभ उन्हें चिढ़ाते थे कि उनकी हीरोइन बड़ी-बड़ी गाड़ियों से आती हैं। जब डिंपल की टांग खिंचाई होती तो वह खुद को स्टार बुलाती थीं। वह कहती थीं कि वह राज कपूर की हीरोइन हैं। फिल्म चले या नहीं चले, वह रहेंगी स्टार ही। कम लोग जानते हैं कि डिंपल कपाड़िया रईस बिजनेसमैन चुन्नीभाई कपाड़िया की बेटी थीं। वह फिल्मों में आने से पहले ही एक लग्जरी लाइफस्टाइल जीती थीं।

शादी के बाद छोड़ दी थी एक्टिंग

डिंपल कपाड़िया की पहली फिल्म बॉबी रिलीज भी नहीं हुई थी, तभी उन्होंने मात्र 16 की उम्र में सुपरस्टार राजेश खन्ना से शादी कर ली थी। उसी साल दिसंबर के महीने में एक्ट्रेस ने पहली बार मां बनीं। बॉबी की रिलीज से पहले एक्ट्रेस प्रेग्नेंट थीं। जैसे ही बॉबी रिलीज हुई, फिल्म हिट हो गई और डिंपल स्टार बन गईं। मगर उन्होंने राजेश खन्ना संग शादी के बाद फिल्मों से दूरी बना ली। एक्टिंग छोड़ने के करीब एक दशक के बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों में वापसी की। तब तक वह राजेश खन्ना से अलग हो चुकी थीं। 1984 में एक्ट्रेस की कमबैक फिल्म मंजिल मंजिल। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और आज भी अपने अभिनय से इंडस्ट्री में धमाल मचा रही हैं।

राज कुंद्रा ने पत्नी शिल्पा शेट्टी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

एक्टर और एंटरप्रेन्योर शिल्पा शेट्टी ने 8 जून को अपना 51वां जन्मदिन मनाया,और उनके पति राज कुंद्रा ने इस मौके पर उस महिला को एक इमोशनल और गहरी आध्यात्मिक श्रद्धांजलि दी, जिसे वह प्यार से अपनी देवी कहते हैं और मानते हैं। सोशल मीडिया अकाउंट पर एक खास

वीडियो मोंटाज शेयर करते हुए, राज ने पारंपरिक जन्मदिन की शुभकामनाओं से हटकर उन खूबियों को हाईलाइट किया जो शिल्पा उनकी ज़िंदगी में हैं। वीडियो में एक्ट्रेस को पारंपरिक रूप से देवी से जुड़े कई दिव्य गुणों से जोड़ा गया। वीडियो में उन्हें ऐसा बताया गया जो अच्छी किस्मत और आशीर्वाद लाती हैं, शांत और मुस्कुराती रहती हैं, सफलता और किस्मत लाती हैं, प्रियजनों की रक्षा करती हैं और निडरता की प्रेरणा देती हैं,कृपा और सुंदरता बिखेरती हैं,और ताकत, प्यार, करुणा और समृद्धि का प्रतीक हैं। वीडियो में शिल्पा की कई तरह के पारंपरिक और मॉडर्न आउटफिट्स में तस्वीरें भी थीं। वीडियो के आखिर में,राज ने शिल्पा को अपनी देवी कहा और आने वाले सालों में उनके लिए खुशी, आशीर्वाद और प्यार की कामना की। राज कुंद्रा ने पोस्ट पर कैप्शन लिखा, इस साल एक अलग बर्थडे पोस्ट सेलिब्रेशन या पलों के बारे में नहीं। लेकिन आप मेरी ज़िंदगी में सच में क्या मतलब रखते हैं और किसके लिए खड़े हैं, इसके बारे में। जब ज़िंदगी मुश्किल हो तो ताकत। जब इमोशन्स ओवरफ्लो हों तो कृपा। जब सब कुछ अनिश्चित लगे तो विश्वास। और सबसे अंधेरे दौर में भी रोशनी। आपमें हमेशा एक देवी की एनर्जी रही है, जो एक साथ पालने-पोसने वाली, बचाने वाली, माफ़ करने वाली और बहुत मज़बूत है। हैप्पी बर्थडे माय लव। माँ आपको वह सब कुछ दे जो आपका दिल डिज़र्व करता है

ऑब्सेशन की भी बाप है 22 साल पुरानी साइकोलॉजिकल थ्रिलर

डरावनी कहानी देख कांप गई थी लोगों की रूह

मौजूदा समय में हॉलीवुड फिल्म ऑब्सेशन के बारे में खूब बात हो रही है, लेकिन क्या आप जानते हैं 22 साल पहले इससे भी जबरदस्त मूवी आई थी। हॉलीवुड हॉरर थ्रिलर फिल्म ऑब्सेशन ने अपनी शानदार कहानी से हर किसी का दिल जीत लिया है। इस अंग्रेजी फिल्म में हॉरर और साइकॉलॉजिकल दोनों का मिक्सअप बड़े ही बेहतरीन तरीके से पेश किया गया है, जिसने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। लेकिन क्या आप जानतै हैं कि 22 साल पहले हिंदी सिनेमा की तरफ से भी एक ऐसी ही फिल्म रिलीज की गई थी, जो प्यार में ऑब्सेस्ड लड़की की कहानी बयां करती है। आलम ये है कि वह बॉलीवुड मूवी करी बार्कर की ऑब्सेशन पर भी भारी पड़ती है। आइए जानते हैं कि वह कौन सी फिल्म है।

ऑब्सेशन से ज्यादा शानदार है ये फिल्म

जिस हिंदी फिल्म के बारे में इस लेख में बात की जा रही है, वह एक फ्लॉप मूवी है। जो साल 2004 में रिलीज की गई थी। इस फिल्म का निर्देशन संतराम वर्मा ने किया था, जिन्होंने इस मूवी के जरिए अपने डायरेक्शन के करियर का आगाज किया। बॉक्स ऑफिस फेल रहने वाली ये मूवी बाद में टीवी पर आकर कल्ट बनी और आज भी इसको बॉलीवुड की बेस्ट हॉरर और साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर जाना जाता है। चलिए सस्पेंस खत्म करते हुए बता दें कि यहां बात फिल्म कृष्णा कॉटेज की जा रही है। सोहेल खान, ईशा कोप्पिकर, अनीता हसनंदानी और रति अग्निहोत्री जैसे फिल्मी सितारों से सजी कृष्णा कॉटेज हॉलीवुड की ऑब्सेशन से ज्यादा डरावनी और खतरनाक फिल्म है। सोहेल की इस मूवी में एक ऐसी लड़की की कहानी को दर्शाया गया है, जो प्यार में इस हद तक पागल हो जाती है कि मरने के बाद भी वह अपने प्रेमी का पीछा नहीं छोड़ती है और दूसरे जन्म भी उसकी जिंदगी में तबाही मचाने आती है।

ऑनलाइन कहां देखें कृष्णा कॉटेज

अगर आपने अभी तक फिल्म कृष्णा कॉटेज को नहीं देखा है और इस लेख को पढ़ने के बाद इसे देखने की एक्साइटमेंट हो रही तो इस मूवी को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स और यूट्यूब पर आसानी से ऑनलाइन देख सकते हैं। बता दें कि बेशक फिल्म फ्लॉप रही, लेकिन डरावने सीन्स और कहानी को लेकर इसकी चर्चा आज भी की जाती है।

राकेश रोशन की खबरों को किया खारिज

ऋतिक रोशन की मोस्ट अवेटेड सुपरहीरो फिल्म 'कृष 4 एक बार फिर सुर्खियों में है। हाल ही में सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि फिल्म को लेकर बड़ा विवाद चल रहा है और बजट को लेकर मतभेद के कारण इसका काम रुक गया है। साथ ही यह भी खबरें सामने आई थीं कि फिल्म का बजट करीब 500 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है और इसी वजह से प्रोजेक्ट में देरी हो रही है। इन अफवाहों ने फैंस के बीच चिंता बढ़ा दी थी, क्योंकि यह फ्रेंचाइजी लंबे समय से भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित सुपरहीरो सीरीज मानी जाती है।

हालांकि इन सभी चर्चाओं पर अब फिल्म के निर्माता और निर्देशक राकेश रोशन ने पूरी तरह से स्थिति साफ कर दी है। उन्होंने इन खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ये सभी दावे ÷बकवास÷ हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है। राकेश रोशन ने स्पष्ट किया कि न तो ऋतिक रोशन ने 500 करोड़ रुपये के बजट की कोई मांग की है और न ही फिल्म को लेकर किसी तरह का कोई क्रिएटिव या फाइनेंशियल विवाद चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि 'कृष 4' पूरी तरह से सही दिशा में आगे बढ़ रही है और प्रोजेक्ट पर किसी प्रकार की रोक नहीं लगी है। उनके अनुसार, फिल्म से जुड़ी देरी की वजह कोई विवाद नहीं बल्कि शेड्यूलिंग और प्रोडक्शन से जुड़ी सामान्य प्रक्रियाएं हैं, जो बड़े प्रोजेक्ट्स में अक्सर देखने को मिलती हैं।

खेल समाचार

जायसवाल और वैभव की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग जोड़ी

नई दिल्ली ,08 जून 2026। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 में लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपने फैंस को उत्साहित कर दिया है। 13वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 27 रन से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। यह मैच बारिश के कारण 11-11 ओवर का तय किया गया था, लेकिन छोटे प्रारूप ने खिलाड़ियों की

आक्रामकता और रोमांच को कम नहीं होने दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने निर्धारित ओवरों में तीन विकेट पर 150 रन का स्कोर बनाया, जो इस मुकाबले में जीत के लिए काफी साबित हुआ। राजस्थान की पारी में यशस्वी जायसवाल ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुँचाया। उनके आक्रामक खेल और सम्हालकर रन बनाने की रणनीति ने टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुँचाया। जायसवाल की पारी ने न केवल टीम को मजबूती दी, बल्कि उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी दिलाया। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छे योगदान दिए, जिससे राजस्थान की टीम मुंबई के सामने 150 रन तक पहुँच सकी। जैसे ही मुंबई इंडियंस ने लक्ष्य का पीछा शुरू किया, वैभव सूर्यवंशी ने अपना आक्रामक अंदाज़ दिखाया। उन्होंने जसप्रीत बुमराह की पहली ही गेंद पर सिक्स लगाकर मैच का रोमांच बढ़ा दिया। वैभव की आक्रामक शुरुआत ने मुंबई के बल्लेबाजों पर दबाव बनाया और टीम को जल्दी ही मुश्किल स्थिति में डाल दिया। इसके बावजूद मुंबई ने कुछ अच्छे शॉट खेले, लेकिन राजस्थान की गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण ने उन्हें लगातार रोककर 123 रन पर ही सीमित कर दिया।

टीम इंडिया का धमाकेदार प्रदर्शन

गेंदबाजों को बूते वेस्टइंडीज को हराया

कार्डिफ,08 जून 2026। महिला टी20 विश्व कप 2026 से पहले वॉर्मअप मुकाबले खेले जा रहे हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने पहले वॉर्मअप मुकाबले में वेस्टइंडीज पर जीत हासिल की है। कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में भारत ने वेस्टइंडीज को 26 रनों से हराया। पहले खेलते हुए भारत ने 8 विकेट पर 179 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 8 विकेट पर 153 रन ही बना सकी। 10 जून को भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ भी वॉर्मअप मैच खेलेगी।

भारती फुलमाली के बल्ले से फिफ्टी निकली

पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने तेज शुरुआत दी। दोनों ने चौकों की बरसात की और 5वें ओवर में भारत का स्कोर 50 के पार हो गया। लेकिन छठे ओवर में स्मृति मंधाना का विकेट गिर गया. उन्होंने 23 गेंद पर 8 चौकों की मदद से 39 रन बनाए। अगले ओवर में दूसरी सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा 29 रन बनाकर आउट हो गईं। जेमिमा रोड्रिग्स सिर्फ 7 रन बना सकी लेकिन यास्तिका भाटिया के साथ भारती फुलमाली क्रीज पर टिक गईं। 44 गेंदों पर चौथे विकेट के लिए दोनों ने 61 रन जोड़े।

36 गेंदों पर यास्तिका ने 36 रन बनाए। इसके बाद कोई भारतीय बैटर दहाई के आंकड़े को नहीं छू पाई लेकिन भारती फुलमाली ने अपनी फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 40 गेंदों पर 56 रनों की नाबाद पारी खेली। वेस्टइंडीज ने 9 गेंदबाजों को आजमाया। एफी फ्लेचर ने 23 रन देकर सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

भारतीय स्पिनर्स ने कमाल किया...

डिएंड्रा डॉटिन और शेमेन कैंपबेल ने वेस्टइंडीज को ठोस शुरुआत दिलाई लेकिन दोनों खुलकर नहीं खेल पाईं। 63 रनों की साझेदारी के लिए दोनों ने 54 गेंदों का सामना किया। कैंपबेल 25 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुईं। इसके बाद कोई भी बैटर क्रीज पर टिक नहीं पाई। डिएंड्रा डॉटिन ने 44 गेंदों पर 49 रन बनाए। 11वें ओवर में श्रेयंका पाटिल ने दो जबकि 14वें ओवर में राधा यादव ने तीन विकेट लिए। 8 विकेट पर वेस्टइंडीज की टीम 153 रन ही बना सकी। श्रेयका ने कुल 4 विकेट लिए जबकि राधा को तीन विकेट मिले।

इंडिया ए और श्रीलंका ए का मुकाबला आज

दंबुला,08 जून 2026। तिलक वर्मा की कप्तानी में इंडिया ए टीम श्रीलंका दौरे पर है। यहां मंगलवार से ट्राई-नेशन ए सीरीज की शुरुआत हो रही है। इसमें इंडिया ए के साथ श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए की टीम हिस्सा ले रही है। टूर्नामेंट के पहले मैच में इंडिया ए का सामना श्रीलंका ए से है। इंडिया ए की टीम में वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। सभी की निगाहें इस 15 साल के किशोर बल्लेबाजी सनसनी पर टिकी रहेंगी।

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में दमदार प्रदर्शन की वजह से भारतीय टी20 टीम में भी जगह मिली है। अब वह 50 ओवर के प्रारूप में भी अपनी प्रतिभा दिखाने को तैयार हैं। सूर्यवंशी को अभ्यास सत्र के दौरान कुछ गेंदों पर रक्षात्मक होकर खेलते हुए भी देखा गया, लेकिन उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली ही दर्शकों को आकर्षित करने का सबसे बड़ा कारण बनी हुई है।

आर्मंड डुप्लांटिस को 2023 के बाद पहली हार मिली, स्वीडिश पोल वॉल्ट स्टार कर्टिस मार्शल से हारे

मेलबर्न,08 जून 2026। ऑस्ट्रेलिया के कर्टिस मार्शल स्टॉकहोम डायमंड लीग में आश्चर्यजनक उलटफेर करते हुए ओलंपिक चैंपियन आर्मंड डुप्लांटिस को हरा दिया और पुरुषों के पोल वॉल्ट में स्वीडिश स्टार की लगातार 40 जीत के उल्लेखनीय सिलसिले को समाप्त कर दिया। रॉयटर्स के अनुसार,घरेलू दर्शकों के सामने प्रतिस्पर्धा करते हुए डुप्लांटिस अपने करियर में 16वीं बार 6.31 मीटर के अपने ही विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने की उम्मीद के साथ स्टॉकहोम पहुंचे थे। हालाँकि,ओलंपिक और विश्व चैंपियन को अपनी लय पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा और अंततः छह मीटर की दूरी तय करने में असफल रहने के बाद दूसरे स्थान पर रहे। मार्शल ने अपने तीसरे प्रयास में 5.90 मीटर की दूरी के साथ जीत हासिल की,जबकि डुप्लांटिस छह मीटर या 6.05 मीटर के अंतिम प्रयास में भी सफल नहीं हो सके। रॉयटर्स के अनुसार,डुप्लांटिस ने स्वीडिश ब्रॉडकास्टर एसवीटी को बताया,यह हारने का समय था, यह बहुत लंबा समय था (पिछली बार से)। मैं समझ नहीं पा

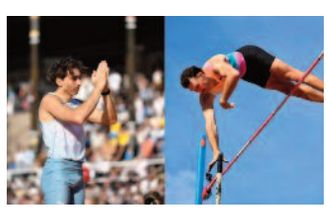

रहा हूं कि मैंने लगातार 40 जीते हैं, यह काफी बुरा है, लेकिन यह भी बुरा है कि मैं स्टॉकहोम में हार जाता हूं, जो मेरे लिए साल की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है। उन्होंने कहा,यह आखिरी बार नहीं है जब मैं हारूंगा, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह आखिरी बार है जब मैं स्टॉकहोम में हारूंगा। मैं यह सुनिश्चित करने जा रहा हूं कि ऐसा दोबारा न हो।26 वर्षीय स्वीडिश खिलाड़ी के लिए प्रतियोगिता की शुरुआत अनिश्चित रही जब वह 5.60 मीटर में अपने शुरुआती प्रयास में विफल रहे। हालाँकि उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में ऊंचाई पार कर ली और आराम से 5.80 मीटर की दूरी तय की,लेकिन बार ऊपर उठने के कारण वह गति बनाने में असमर्थ रहे।

CMYK

धमतरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई...2.60 करोड़ की गांजा खेप जब्त,पांच तस्कर दबोचे

धमतरी,08 जून 2026। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत धमतरी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने लगभग 2.60 करोड़ रुपये मूल्य की गांजा खेप बरामद करते हुए चार आरोपियों और एक विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ लिया। यह कार्रवाई पिछले चार वर्षों में जिले की सबसे बड़ी गांजा जब्ती मानी जा रही है। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी दौरान थाना अर्जुनी पुलिस को सूचना मिली कि एक महिंद्रा पिकअप और एक स्विफ्ट कार में बड़ी मात्रा में गांजा लेकर तस्कर चारामा से धमतरी की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने श्यामतराई फॉरेस्ट नाका के पास घेराबंदी कर दोनों वाहनों को रोक लिया। तलाशी के दौरान पिकअप और कार से कुल 490.818 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 2 करोड़ 45 लाख 40 हजार 900 रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक स्विफ्ट कार,एक महिंद्रा पिकअप और छह मोबाइल फोन भी जब्त किए। जब्त वाहनों और अन्य सामान सहित कुल संपत्ति का मूल्य लगभग 2 करोड़ 60 लाख 75 हजार 900 रुपये बताया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी जगदलपुर क्षेत्र से गांजा लाकर रायपुर और अन्य शहरों में खपाने की तैयारी में थे। गिरफ्तार आरोपियों में नौशाद खान, करण साहू, मोहम्मद शादिक और हिमांशु साहू शामिल हैं, जबकि एक नाबालिग को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार पिछले छह सप्ताह में गांजा तस्करी के खिलाफ यह सातवीं बड़ी कार्रवाई है। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से अंतर्राज्यीय तस्करी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति या गिरोह को बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी

16 जून से खुलेंगे स्कूल,लेकिन किताबों का इंतजार : निजी स्कूलों ने शिक्षा सचिव को लिखा पत्र,शेड्यूल जारी करने की मांग

रायपुर,08 जून 2026। समर वेकेशन के बाद प्रदेश के स्कूल 16 जून से फिर से खुलने जा रहे हैं, लेकिन निजी स्कूलों के सामने पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ गई है। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने इस मामले में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखकर निजी स्कूलों के लिए समय पर किताबें उपलब्ध कराने की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि पाठ्यपुस्तक निगम ने सरकारी स्कूलों में किताबों की आपूर्ति शुरू कर दी है,लेकिन निजी स्कूलों के लिए अब तक कोई स्पष्ट शेड्यूल जारी नहीं किया गया है। ऐसे में नए सत्र की शुरुआत से पहले विद्यार्थियों को किताबें उपलब्ध कराना मुश्किल हो सकता है। एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि स्कूल शिक्षा विभाग निजी स्कूलों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपना रहा है।

संकुल स्तर पर ही पहुंचाई जा रही किताबें

उनके मुताबिक सरकारी स्कूलों को संकुल स्तर पर ही किताबें पहुंचाई जा रही हैं। जबकि निजी स्कूलों को पाठ्यपुस्तक निगम के डिपो से स्वयं किताबें प्राप्त करनी पड़ेंगी। पत्र में कहा गया है कि प्रदेश के कई निजी स्कूलों को किताबें लेने के लिए 150 से 200 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी पड़ेगी। इससे समय और परिवहन लागत दोनों बढ़ेंगी।

किताबें पहुंचाना भी चुनौतीपूर्ण

साथ ही स्कूल खुलने से पहले सभी विद्यार्थियों तक किताबें पहुंचाना भी चुनौतीपूर्ण होगा। एसोसिएशन ने शिक्षा सचिव से मांग की है कि निजी स्कूलों के लिए भी जल्द पुस्तक वितरण का शेड्यूल जारी किया जाए और किताबों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि 16 जून से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

पुलिस ट्रांसफर..एसपी ने आठ पुलिसकर्मियों को किया इधर से उधर,आदेश जारी

रायपुर,08 जून 2026। जिले में 8 पुलिसकर्मियों की ट्रांसफर सूची जारी की गई है। लिस्ट में 1 सहायक उप निरीक्षक, 1 प्रधान आरक्षक और 6 आरक्षक के नाम शामिल है। सूची को एसपी अंकिता शर्मा ने जारी किया है। जारी लिस्ट में सउनि मुजीब रहमान कुरैशी को थाना डोंगरगढ़ से थाना कोतवाली भेजा गया है। प्रधान आरक्षक सुरेंद्र रामटेके को चौकी चिखली से थाना कोतवाली। आरक्षक देवीलाल साहू को थाना छुरिया से रक्षित राजनांदगांव। आरक्षक हरिश्चंद्र ध्रुव को डीआरजी राजनांदगांव से थाना सोमनी। आरक्षक प्रमोद कौशिक को डीआरजी राजनांदगांव से थाना बसंतपुर। आरक्षक दिलेश्वर सिदार को डीआरजी राजनांदगांव से थाना बसंतपुर। आरक्षक मोहित साहू को रक्षित केंद्र राजनांदगांव से थाना लालबाग। आरक्षक अमित सोनी को सायबर थाना से कैंप कोठीटोला।

छत्तीसगढ़ के 5 लाख कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर...आज कैबिनेट बैठक में कैशलेस इलाज और ट्रांसफर नीति पर लग सकती है मुहर!

रायपुर,08 जून 2026। छत्तीसगढ़ सरकार की एक बेहद महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित होने जा रही है। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाली इस बैठक में राज्य के लाखों सरकारी कर्मचारियों के हितों समेत कई अन्य बड़े प्रशासनिक और जनहित के प्रस्तावों पर अंतिम मुहर लग सकती है। यह बैठक छत्तीसगढ़ के 5 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए सीधे तौर पर जिंदगी बदलने वाली साबित हो सकती है। अगर कैबिनेट में कैशलेस स्वास्थ्य योजना को हरी झंडी मिलती है, तो कर्मचारियों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अपनी जेब से तुरंत पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे और वे बिना किसी आर्थिक तनाव के सूचीबद्ध अस्पतालों में अपना इलाज करा सकेंगे। इसके अलावा, नई ट्रांसफर पॉलिसी लागू होने से प्रशासनिक फेरबदल और मनचाही जगह पर पदस्थापना का इंतजार कर रहे कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस बैठक का सबसे

बड़ा एजेंडा लंबे समय से लंबित कैशलेस चिकित्सा योजना है। इस योजना के धरातल पर उतरने से सरकारी सेवकों के चिकित्सा खर्च की चिंता हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। इसके तहत कर्मचारियों को इलाज के दौरान अस्पताल में पहले पैसे जमा करने की कोई जरूरत नहीं होगी, बल्कि उनका पूरा ट्रीटमेंट पूरी तरह कैशलेस होगा। इसके साथ ही, विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की ट्रांसफर से जुड़ी उलझनों को दूर करने के लिए नई तबादला नीति पर भी सहमति बनने के पूरे आसार हैं। प्रदेश भर के कर्मचारी संगठन काफी समय से एक पारदर्शी और सुलभ ट्रांसफर पॉलिसी की मांग कर रहे थे, जिस पर सरकार कल गंभीर निर्णय ले सकती है।

सीएम साय ने की विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा

लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण का निर्देश दिया

रायपुर,08 जून 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बालोद तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों में संचालित विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की व्यापक समीक्षा की। समीक्षा बैठक में कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राजस्व प्रकरणों, ग्रामीण एवं शहरी विकास,कृषि,स्वास्थ्य,शिक्षा,कानून-व्यवस्था तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक प्रशासनिक अभियान नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत उन्होंने जनसमस्या निवारण शिविरों और चौपालों के माध्यम से सीधे लोगों से संवाद किया, उनकी समस्याओं को सुना और योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद प्रशासनिक अमले ने आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए समर्पित भाव से कार्य किया है और इस प्रतिबद्धता को आगे भी बनाए रखना होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन का वास्तविक उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को सकारात्मक सोच,

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और स्वामित्व योजना पर जोर

मुख्यमंत्री साय ने दोनों जिलों में लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन तथा नक्शा सुधार से संबंधित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री स्वामित्व योजना तथा राजस्व अभिलेखों के अद्यतन कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिए।

जवाबदेही और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की किसी भी योजना का पात्र हितग्राही लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

प्रधानमंत्री आवास और पीएम सूर्यघर योजना को मिशन मोड में आगे बढ़ाने के निर्देश : प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी) की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पहले अधिकतम स्वीकृत आवासों का निर्माण पूर्ण किया जाए, ताकि हितग्राहियों को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण कार्यों को गति देने के लिए अधिक से अधिक कारीगरों को मेसन प्रशिक्षण प्रदान किया जाए,जिससे भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति भी सुनिश्चित हो सके। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 तक प्रदेश में पांच लाख सौर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक परिवारों को इस योजना से जोड़ा जाए तथा योजना से मिलने वाले आर्थिक और ऊर्जा संबंधी लाभों की जानकारी लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जाए।

किसानों को खाद-बीज की कमी न हो, नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा दें...

मुख्यमंत्री साय ने खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि किसानों को खाद एवं बीज की उपलब्धता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग के संबंध में किसानों को जागरूक किया जाए तथा इसके लाभों की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाई जाए। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सभी पात्र किसानों को योजना से लाभान्वित करने और एग्रीस्टैक पंजीयन कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। धान उपार्जन और धान उठाव की समीक्षा करते हुए उन्होंने समयबद्ध उठाव सुनिश्चित करने तथा स्थानीय स्तर पर राइस मिलों की स्थापना के लिए उद्योग विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक पहल करने को कहा।

14 जून से 'बेटा बचाओ आंदोलन' शुरू करेंगे अमित जोगी

रायपुर से होगी शुरुआत,एक महीने में प्रदेश के सभी संभागों तक पहुंचाने की तैयारी

रायपुर,08 जून 2026। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) प्रदेश में 14 जून से 'बेटा बचाओ आंदोलन' शुरू करने जा रही है। पार्टी अध्यक्ष अमित जोगी के नेतृत्व में शुरू होने वाले इस अभियान का उद्देश्य युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी,अवसाद,नशे और अपराध के मुद्दों को लेकर जनजागरण करना बताया गया है। पार्टी ने आंदोलन के लिए प्रदेशभर में चौपाल कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। इसकी शुरुआत 14 जून को रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अमलीडीह से होगी। अगले एक महीने में आंदोलन को प्रदेश के पांचों संभागों तक ले जाने की योजना बनाई गई है।

एक कड़ी टूटेगी तो बेटा और भविष्य दोनों बचेंगे...

आंदोलन की तैयारी को लेकर रायपुर स्थित जोगी निवास में हुई बैठक में अमित जोगी ने कहा कि बेरोजगारी,अवसाद,नशा और अपराध एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि,यह एक जहरीली श्रृंखला है। इसकी एक भी कड़ी टूट जाए तो हमारा बेटा और हमारा भविष्य दोनों बच सकते हैं। यह आंदोलन किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि हर मां की चिंता से जुड़ा आंदोलन है।

संजीव अग्रवाल को मिली बड़ी जिम्मेदारी

पार्टी ने आंदोलन के संचालन और विस्तार की जिम्मेदारी संजीव अग्रवाल को सौंपी है। उन्हें 'बेटा बचाओ आंदोलन समिति' का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है। वे प्रदेशभर में कार्यक्रमों के समन्वय और विस्तार का काम संभालेंगे। आंदोलन के तहत 14 जून से 2 जुलाई तक रायपुर, बिलासपुर, कोटा, जामुल, भिलाई, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, भाटापारा, सक्ती, जैजैपुर और अकलतरा समेत कई स्थानों पर चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद धरसींवा, आरंग, मरवाही, गौरेला-पेंड्रा, कवर्धा, मुंगेली, बिल्हा, लोरमी, बलौदाबाजार, कुरूद, पामगढ़, अभनपुर, जगदलपुर, बीजापुर और सुकमा सहित अन्य क्षेत्रों में भी कार्यक्रम होंगे।

होनहार को पंख : सुकमा के आदिवासी किसान के बेटे बारसे रोशन ने जी एडवांस में गाड़े झंडे

रायपुर,08 जून 2026। छत्तीसगढ़ के अति-वनांचल (सुकमा) जिले के होनहार आदिवासी छात्र बारसे रोशन ने जी एडवांस्ड परीक्षा में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। पहले ही प्रयास में कैटेगरी रैंक 634 लाकर और अपनी लगन से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तक का सफर तय कर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अंचल का नाम रोशन किया है शिक्षा के क्षेत्र में सुदूर और वनांचल क्षेत्र सुकमा के एक आदिवासी छात्र ने राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विपरीत परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बीच रहने वाले एक साधारण किसान के बेटे ने साबित कर दिया है कि अगर हौसलों में उड़ान हो, तो कोई भी लक्ष्य नामुमकिन नहीं है। जिले के सुदूर वनांचल के झापरा क्षेत्र के निवासी आदिवासी छात्र

बारसे रोशन ने देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जी एडवांस 2026 में कैटेगरी रैंक 634 हासिल कर पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश का नाम रोशन किया है।

जिला प्रशासन बारसे रोशन का किया सम्मान : इस ऐतिहासिक सफलता पर छात्र का उत्साहवर्धन करने के लिए खुद कलेक्टर और जिला प्रशासन आगे आया है। तुंगल डैम में आयोजित एक गरिमामयी कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अमित कुमार ने छात्र बारसे रोशन को शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

पढ़ाई के आड़े नहीं आएगा पैसा कलेक्टर : कलेक्टर अमित कुमार ने इस मौके पर एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि रोशन की पढ़ाई की राह में पैसे कभी रोड़ा नहीं बनेंगे। जिला प्रशासन बारसे रोशन की उच्च शिक्षा की पूरी फीस का वहन करेगा, ताकि वह बिना किसी आर्थिक चिंता के देश के शीर्ष संस्थान में अपनी पढ़ाई पूरी कर सके।

क्षितिज कोचिंग इंस्टीट्यूट बन रहा है बच्चों का सारथी : बारसे रोशन की यह बड़ी सफलता किसी जादू का परिणाम नहीं, बल्कि जिला प्रशासन की सोची-समझी दूरदर्शिता का नतीजा है। जिले के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए कलेक्टर श्री अमित कुमार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकुन्द ठाकुर के सीधे निर्देशन में क्षितिज कोचिंग इंस्टीट्यूट का संचालन किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.आर. मंडावी के मार्गदर्शन और नोडल अधिकारी श्री आशीष राम के सतत पर्यवेक्षण में यह संस्थान सुकमा के आदिवासी और ग्रामीण बच्चों को आईआईटी और मेडिकल जैसी कठिन परीक्षाओं के लिए निशुल्क तैयार कर रहा है।

उधार की रकम नहीं लौटाना अपने आप में ठगी नहीं : कोर्ट

बिलासपुर,08 जून 2026। व्यापारिक और व्यक्तिगत लेनदेन से जुड़े विवादों को आपराधिक मामलों का स्वरूप देने की बढ़ती प्रवृत्ति पर विशेष अदालत ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) लवकेश प्रताप सिंह बघेल की अदालत ने स्पष्ट कहा है कि केवल उधार ली गई रकम वापस नहीं करना अपने आप में 'ठगी', 'आपराधिक विश्वासघात' या 'आपराधिक षड्यंत्र' की श्रेणी में नहीं आता। मामला बिल्हा क्षेत्र के व्यापारी संतोष बंसल से जुड़ा है, जो स्टील और सीमेंट कारोबार से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके परिचित संदीप गर्ग और उनकी पत्नी प्रीति गर्ग ने वर्ष 2022 में गंभीर बीमारी और व्यवसायिक जरूरतों का हवाला देकर उनसे 25 लाख रुपये उधार लिए थे। वादी के अनुसार आरोपितों ने भरोसा दिलाया था कि संपत्ति बेचकर पूरी रकम लौटा दी जाएगी। बाद में ऐसा नहीं किया गया। मार्च 2024 में संदीप गर्ग का निधन हो गया, जिसके बाद उनकी पत्नी प्रीति गर्ग ने कथित रूप से बाकी रकम लौटाने से इनकार कर दिया। रिकॉर्ड के मुताबिक बाद में परिवार की ओर से 1.65 लाख रुपये की आंशिक राशि वापस भी की गई, लेकिन शेष 23.35 लाख रुपये की वसूली नहीं होने पर व्यापारी ने पुलिस और अदालत का रुख किया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बिल्हा ने सितंबर 2025 में परिवाद खारिज करते हुए कहा था कि मामला धन-वसूली और लेनदेन से संबंधित है, इसलिए इसकी प्रकृति दीवानी है।

बस्तर के बड़े तेवड़ा की ग्रामसभा में अजीबोगरीब फैसला,पूर्व सरपंच समेत 14 के एसटी प्रमाण पत्र निरस्त करने का प्रस्ताव पारित

कांकेर,08 जून 2026। अंतागढ़ विकासखंड के बड़े तेवड़ा गांव में आयोजित विशेष ग्राम सभा में 14 मतांतरित लोगों के अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र निरस्त करने का संकल्प प्रस्ताव पारित किया गया। इनमें गांव के पूर्व सरपंच रजमन सलाम का नाम भी शामिल है। इस मामले में सोमवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्रमाण पत्र निरस्त करने की मांग की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट और नए कानून का हवाला : ग्राम सभा में सुप्रीम कोर्ट के उस निर्णय का उल्लेख किया गया जिसमें मतांतरित व्यक्ति का SC/ST दर्जा समाप्त होने की बात कही गई थी। साथ ही अप्रैल

में लागू संशोधित छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य कानून का भी जिक्र हुआ, जिसमें अवैध मतांतरण पर 10 से 20 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

पेसा कानून के तहत हुई बैठक : तेवड़ा के सरपंच सामसिंह सर्फे ने बताया कि पांचवीं अनुसूची क्षेत्र, पेसा कानून 1996 और छत्तीसगढ़ पेसा कानून 2022 के प्रावधानों के तहत विशेष ग्राम सभा बुलाई गई थी। बैठक में गांव के मतांतरित लोगों को लेकर चर्चा हुई और सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया।

'गोंड परंपराएं छोड़ ईसाई रीति अपनाई' : प्रस्ताव में कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत गोंड समुदाय ST के रूप में अधिसूचित है। आरोप लगाया गया कि सूचीबद्ध 14 लोगों ने गोंड समाज की पारंपरिक रीति-रिवाज, धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक परंपराओं का त्याग कर ईसाई धर्म अपना लिया है।

'जन्म-मृत्यु संस्कार ईसाई परंपरा से': ग्राम सभा के मुताबिक ये लोग जन्म, विवाह और मृत्यु संस्कार ईसाई परंपराओं से कराते हैं। गोंड समाज के जतरा, देवस्थानों और पारंपरिक धार्मिक व्यवस्थाओं को नहीं मानते। गांव के पारंपरिक पुजारी, गायता और बैगा को भी स्वीकार नहीं करते। ग्राम सभा ने साफ किया कि वह इन 14 लोगों को गोंड समुदाय की मान्यता नहीं देती।

पहले भी विवादों में रहा है गांव : 681 की आबादी वाले बड़े तेवड़ा में वर्तमान में 14 लोग ही मतांतरित बताए जा रहे हैं। यह गांव पहले भी मतांतरण विवाद को लेकर चर्चा में रहा है। दिसंबर 2025 में पूर्व सरपंच रजमन सलाम के पिता के शव को दफनाने के मुद्दे पर गांव में हिंसक प्रदर्शन हुआ था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)